Jatan
Working with young people

जतन

2016- 2017

वेबसाईट: jatansansthan.org
इमेल: info@jatansansthan.org
फेसबुक: /JatanUdaipur
ट्विटर: @JatanRajsamand
इन्स्टाग्राम: #JatanSaar

संपादन: डॉ. कैलाश बृजवासी | लेखन एवं डिजाइन: ओम | कवर फोटो: अरविन्द जोधा
प्रकाशन: संजरी ऑफसेट प्रिंटर्स, उदयपुर | फोटोग्राफी: जतन टीम (अनुमति सहित सर्वाधिकार सुरक्षित)

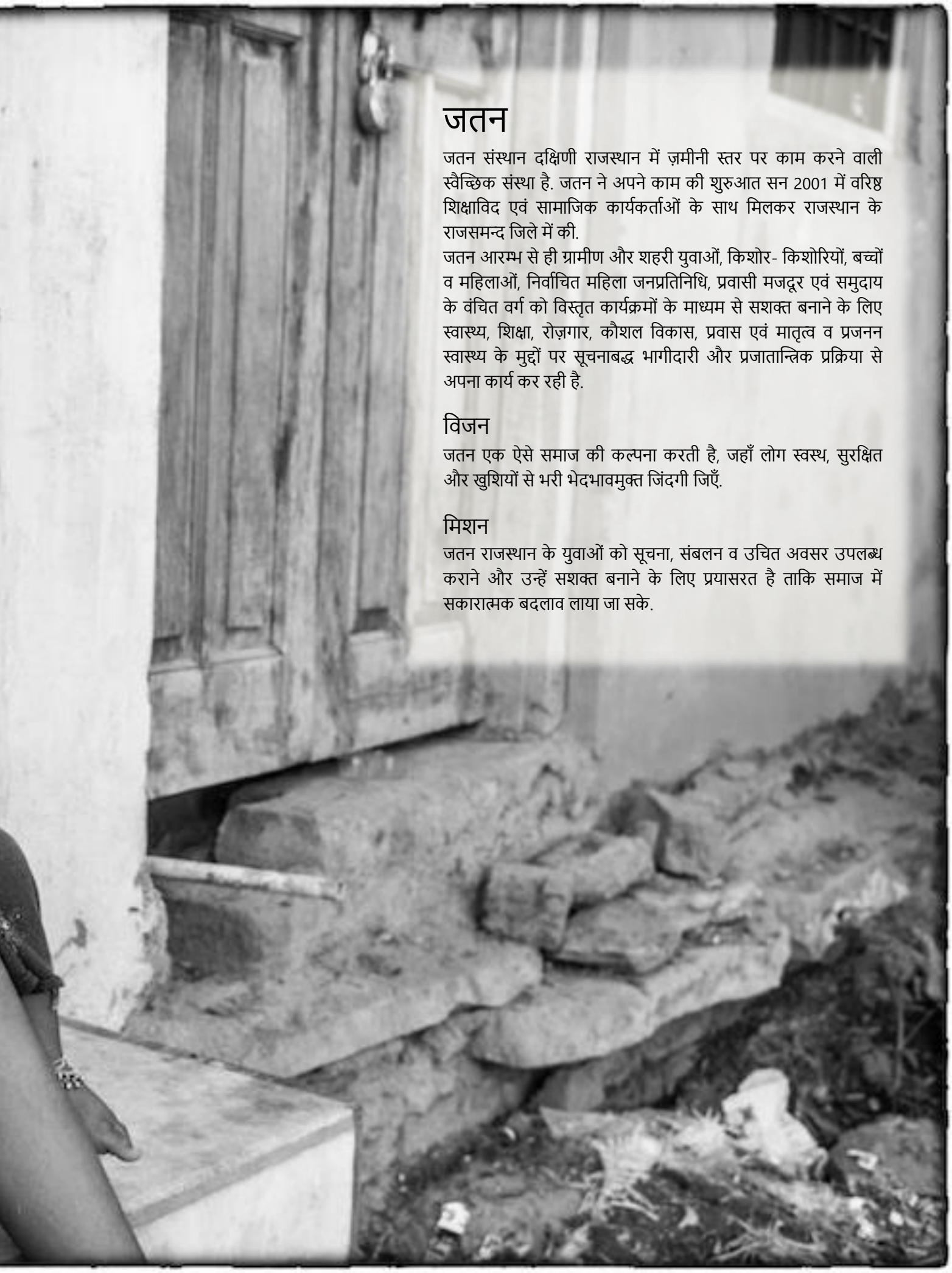

जतन

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में ज़मीनी स्तर पर काम करने वाली स्वैच्छिक संस्था है. जतन ने अपने काम की शुरुआत सन 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की.

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर- किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर सूचनाबद्ध भागीदारी और प्रजातान्त्रिक प्रक्रिया से अपना कार्य कर रही है.

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जिएँ.

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके.

"तुम्हे एक जंतर देता हूँ.जब भी तुम्हे संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ.

जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा. क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा ? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है."

- महात्मा गांधी

ये शब्द गाँधी जी के प्रसिद्ध "गाँधी जी का जन्तर से लिए गए हैं. जबकि यह स्केच कार्टूनिस्ट (स्व) आर के लक्ष्मण द्वारा बनाया गया है. इसे "अनादर कॉमन मेन" ब्लॉग से साभार लिया गया है.

किशोर-किशोरियों और युवाओं के साथ

हिलोर.....08

Look at us.....10

हुनरघर..... 11

क्षमतालय.....11

जल्दी विवाह के विरुद्ध 12

CONTENTS

13

बच्चों के साथ

ख़ुशी.....14
नन्दघर.....16
चाइल्ड फण्ड...17
अपना जतन.....19
चाइल्ड लाइन...21
उड़ान.....22

23

महिलाओं के साथ

पंचायतीराज में महिला.....24
मातृत्व स्वास्थ्य..26
उम्मीद.....26
बेटियों की बातें..27
सुरक्षित माहवारी अभियान.....28

30

अन्य विशेष

जीवा 31
इंटर्न एवं वालंटियर.....33
अन्य विशेष.....34
प्रकाशन.....36

37

Appendix

स्टाफ.....39
साधारण सभा...40
सलाहकार मंडल.41
बोर्ड बैठकें.....42
पार्टनर.....43
वित्तीय रिपोर्ट.....44

नमस्ते.

संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित हूँ |

ये वर्ष अपनी सीख को बाँटने और उसका विस्तार करने वाला वर्ष रहा | विगत वर्षों में जतन ने युवाओं, महिलाओं और बच्चों के मुद्दों पर काम करते हुए जो भी समझ विकसित की है, उन्हें आगे ले जाना और अपने साथियों के काम के साथ जोड़ते हुए उसका विस्तार करना इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही | प्रजनन स्वास्थ्य और शिक्षा का मुद्दा जतन का मुख्य कोर विषय रहा है | हमें गर्व होता है- जब अनेक साथी संस्थाए और एजेंसीज अपने काम में इस मुद्दे को शामिल करने के किये अपनी समझ को बढ़ाना चाहती हैं और इस के लिए वे हमें आमंत्रित करती हैं | इस विषय पर खुल कर बात करने के लिए अभी भी चुप्पी तोड़ो और बात करो जैसे अभियान की प्रासंगिकता बरक़रार है |

इसी तरह इस साल बच्चों के मुद्दों पर काम करते हुए "कुपोषण" जैसी गंभीर चुनौती को जाना | राजसमन्द जिले में कुपोषित बच्चों की संख्या और स्थिति ने हम सभी को चौंका दिया | इस मुद्दे को हमने पैरवी को महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया और प्रशासन के साथ मिलकर इस पर काम करने की गंभीर रणनीति तैयार की | हमने ये भी जाना कि वास्तविकता को ईमानदारी से स्वीकारना अपने काम की दिशा निर्धारित करने में बहुत कारगर सिद्ध होता है |

गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमने जतन के अनुभवों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी रखा जहाँ हमें अपने काम को मान्यता दिलाने का अवसर मिला है |

साल दर साल काम बढ़ने के साथ कार्यकर्ताओं की संख्या भी बढ़ रही है | जहाँ एक ओर परिवार का विस्तार हो रहा है वहीँ दूसरी ओर काम करने के नए तरीके भी आपस में जाने और समझने को मिल रहें हैं | ये सब संभव हो पाया है आप सभी के असीम स्नेह, मार्गदर्शन और सहयोग से | हमें निरंतर काम करते रहने और उसे आगे बढाने के लिए इसकी नियमित आवश्यकता भी है | आशा है ये मिलता रहेगा |

शुभकामनाओं सहित ,

डॉ. कैलाश बृजवासी
निदेशक
kailash@jatansansthan.org

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING

5 GENDER EQUALITY

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

किशोर- किशोरियों और युवाओं के साथ

हिलोर: किशोरी सशक्तिकरण परियोजना

उदयपुर जिले के खेरवाडा विकास खंड में संचालित हिलोर- किशोरी सशक्तिकरण परियोजना मुख्यतः आदिवासी, ड्रॉपआउट और अस्कुलित किशोरियों को समर्पित है. परियोजना का उद्देश्य किशोरियों के मानवाधिकारों की सुरक्षा करना है ताकि उनके कम आयु में विवाह और गर्भाधान को टाला जा सके, उन्हें अनचाहे गर्भ से सुरक्षा मिले तथा उनकी स्वास्थ्य व सामाजिक स्थिति और आर्थिक दक्षताओं को बेहतर बनाया जा सके. यह परियोजना उन्हें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने और स्वयं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होती है. यह परियोजना UNFPA जयपुर के सहयोग और मार्गदर्शन में चल रही है.

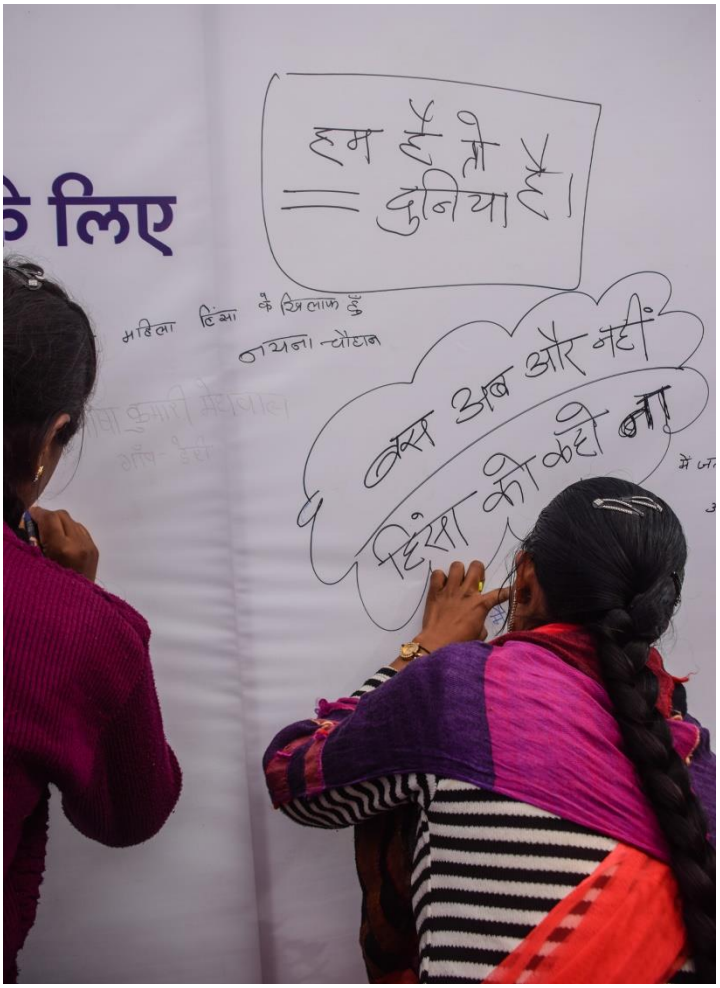

सखी- सहेलियों और कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

परियोजना के दूसरे वर्ष में जीवन कौशल शिक्षा मोड्यूल के द्वितीय और तृतीय चरण के लिए सखी सहेलियों और मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया. इस दौरान स्व-जागरूकता, सहयोगी तंत्र, समूह में कार्य करने के लाभ, सकारात्मक और नकारात्मक रिश्ते और उनकी पहचान, किशोरी सर्वे, आंगनवाडी केन्द्रों में हिलोर कार्नर का विकास, मानवाधिकार, भावनाओं पर स्व-नियंत्रण, किशोरावस्था में बदलाव, माहवारी प्रबंधन और स्वच्छता आदि विषयों पर समझ स्थापित की गयी. इस दौरान पहले दक्ष प्रशिक्षकों का तथा बाद में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा सखी सहेलियों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गयी.

किशोरी समूहों की नियमित बैठकें

किशोरी समूहों की पाक्षिक बैठकें तय एजेंडानुसार आयोजित हुई. इस दौरान UNFPA के सहयोग से निर्मित मोड्यूल का प्रयोग किया गया. पूरे वर्षपर्यंत आयोजित की गयी, जिनमे मोड्यूल आधारित सत्रों का आयोजन किया गया.

7563
किशोरियां जुड़ी हैं परियोजना से

5000+
किशोरियां नियमित बैठकों में भाग लेती है

578
किशोरियां नियमित विद्यार्थी के रूप में विद्यालय में हुई भर्ती

744
सखी सहेलियों ने 248 किशोरी समूहों की नियमित पाक्षिक बैठकें आयोजित की

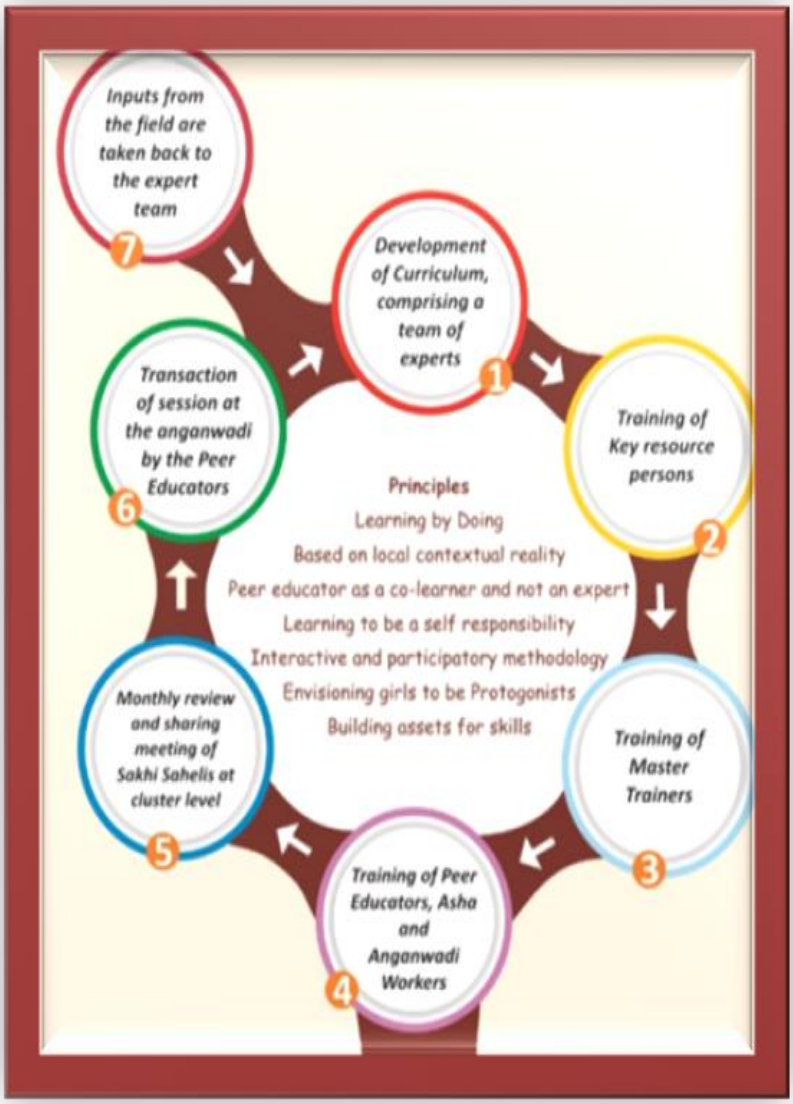

क्लस्टर आधारित बैठकें

सखी सहेलियों और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ मासिक क्लस्टर आधारित समीक्षा बैठकों के आयोजन के दौरान आगामी सत्रों की तैयारी, किशोरी समूहों की निरंतरता और आने वाले प्रभाव आदि पर सत्र आयोजित किये गए. इस दौरान विभिन्न कल्सत्र में प्रभावी सत्रों के आयोजना की रणनीति स्थानीय स्तर पर तैयार की गयी.

किशोरी दिवस का आयोजन

सभी 248 आंगनवाडी केन्द्रों पर वार्षिक किशोरी दिवस का आयोजन किया गया. इस दौरान किशोरियों की स्वास्थ्य- पोषण जांच, राजकीय योजनाओं की जानकारी, खेल गतिविधियों, व्यावसायिक प्रशिक्षणों, महिला एवं बाल विकास तथा महिला अधिकारिता आदि विभागों से जुडी सेवाओं आदि को जोड़ा गया.

ब्लाक स्तर पर आयोजित किशोरी मेला में 750 से अधिक किशोरियां जुटी. खेरवाडा में आयोजित इस मेले में तकरीबन 20 से अधिक स्टाल सजाई गयी, जहाँ विभिन्न रोचक जानकारियों तथा स्पर्धाओं के साथ साथ किशोरियों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य तथा व्यक्तिगत स्वच्छता सम्बंधित जानकारियां दी गयी.

सामाजिक एक्शन अभियान

ग्राम स्तर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण में स्वयं की भूमिका को चिन्हित करते हुए सोश्यल एक्शन प्रोजेक्ट आयोजित किये गए. किशोरी समूहों द्वारा आयोजित इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्राम स्तरीय चुनौतियों को किशोरियों ने ही टटोला और निराकरण की दिशा में आगे बढीं. इस दौरान स्वच्छता, सामुदायिक स्वास्थ्य,राजकीय योजनाओं का प्रचार, शौचालय निर्माण, पर्यावरण आदि विविध विषयों पर एक्शन प्रोजेक्ट्स आयोजित किये गए.

हितधारकों के साथ नेटवर्किंग

पूरे वर्ष में अलग अलग समय विविध बैठकों तथा कार्यशालाओं के माध्यम से परियोजना हितधारकों के साथ नेटवर्किंग स्थापित की गयी. इस दौरान शासन, प्रशासन, ग्राम आधारित संस्थाओं, विद्यालय, आंगनवाडी, जनप्रतिनिधियों आदि के साथ परियोजना की प्रगति पर चर्चा की गयी. इस दौरान स्थानीय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रधान, उपखंड अधिकारी तथा ब्लाक शिक्षा अधिकारी का सक्रिय सहयोग मिला. ग्राम स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी बेहतर रही.

कार्य समीक्षा एवं मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में मासिक परियोजना समीक्षा और आगामी आयोजना बैठक आयोजित की गयी. UNFPA के साथ त्रेमासिक समीक्षा बैठकों का आयोजन रखा गया. कार्यक्रम की बेहतरी के लिए इस दौरान आये गए सुझावों को अमल में लाया गया.

मिडलाइन के लिए बाह्य एजेंसी द्वारा वर्ष के मध्य में सर्वे कार्य पूर्ण किया गया.

नियमित विजिट

परियोजना क्षेत्र में परियोजना टीम के अतिरिक्त कई अन्य संस्थाओं, UNF बोर्ड सदस्यों, UNFPA दिल्ली तथा जयपुर आदि की भी नियमित विजिट रही. UNF बोर्ड सदस्यों द्वारा दिसंबर माह में लराठी गाँव का दौरा कर किशोरी समूह से मुलाकात की गयी.

अभिलाषा को लगे पंख

खेरवाडा की किशोरी अभिलाषा डामोर 16 मई को अमेरिका में आयोजित "गर्ल्स अप कांफ्रेंस" में भाग लेने वाशिंगटन गयी. अभिलाषा का चयन UNFPA द्वारा बाल विवाह के विरुद्ध प्रभावी आवाज़ उठाने की दिशा में किये गए कार्यों के चलते किया गया. अभिलाषा ने वहां दक्षिणी राजस्थान और जनजाति क्षेत्रों में किशोरियों और महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखी. अभिलाषा की इस उपलब्धी के चलते उसे बाद में ब्लाक स्तर पर सम्मानित भी किया गया.

किशोरी मेला

“ख़ामोशी को तोड़ेंगे, डर को पीछे छोड़ेंगे”

ग्रामीण परिवेश से पहली बार बाहर निकल कर उदयपुर में अपने सपनों को नयी दिशा देने पहुंची 1200 से अधिक किशोरियों ने अपनी अभिव्यक्ति से बता दिया कि भले ही गाँव में संसाधन कम हो, किन्तु हौंसलों की कमी नहीं.

उदयपुर में दिसंबर मध्य में आयोजित दो दिवसीय किशोरी मेले “धम-धमाधम” के पहले दिन जहाँ किशोरियों ने पूरे दिन मेले में अलग अलग स्टाल पर जाकर खाने पिने और खेलों का आनंद लिया वहीँ शाम को आयोजित खुला मंच कार्यक्रम में समाज के अलग अलग क्षेत्रों में सफल महिलाओं से सीधे संवाद स्थापित कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया. किशोरियों ने गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का आगाज़ करते हुए यह जता दिया कि उनके हौंसलों की उड़ान काफी बड़ी है और सारा आसमान उनका है.

किशोरियों के बीच पूरे दिन अलग अलग खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमे रस्साकस्सी, साफा बांधो प्रतियोगिता, तीन टांग दौड़, वन मिनट शो आदि प्रमुख रहे. इस दौरान अलग अलग स्टाल पर किशोरियों के साथ आजीविका, प्रशिक्षण आदि की जानकारी भी शेयर की गयी.

“चेहरे जले हैं, हौंसले नहीं”

खुला मंच में शीरोज से एसिड आक्रमण झेल चुकी महिलाओं से संवाद करते हुए किशोरियों से उनके साथ हुए वाकये को जाना. शीरोज सदस्य महिलाओं ने किशोरियों से कहा कि वे कभी अपने हौंसले को कम नहीं होने दे. महिला पुलिस पेट्रोलिंग टीम की सदस्यो ने पुलिस में आने और समाज की बुराइयों से कैसे निपटा जाए, इस पर बात की. महिला थाना प्रभारी चेतना भाटी ने अपने जीवन की यात्रा को बताते हुए किशोरियों से कहा कि वे केवल शिक्षक या नर्स का क्षेत्र ही नहीं देखे अपितु समाज के हर उस काम करने को आगे बढे, जिसे समाज पुरुषों की बपौती समझता है. खुला मंच में पत्रकार अर्बुदा पंड्या, रंगमंच से जुडी रेखा सिसोदिया आदि ने भी अपनी बात रखी.

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के खिलाफ आवाज़ की बुलंद:

“महिला हिंसा के विरुद्ध अभियान” पखवाड़े के अंतर्गत शाम के सत्र में सभी किशोरियों ने हाथ में मोमबत्ती लेकर यह सन्देश प्रेषित किया कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा को उसके विरुद्ध आवाज़ उठाकर ही रोका जा सकता है.

हुनर-घर

ग्रामीण युवा संदर्भ केंद्र

राजसमन्द में स्थापित हुनर-घर का मुख्य उद्देश्य कंप्यूटर के माध्यम से युवाओं में वैचारिक बदलाव और स्थानीय ग्राम विकास में उनकी भागीदारी को बढ़ाना है. डेवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन और सॉफ्ट चॉइस (कनाडा) के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण युवाओं में टेक्नोलोजी के प्रति रुझान बढ़ने में हुनर- घर काफी लोकप्रिय रहा.

रेलमगरा में 30 से अधिक कम्प्यूटरों से सुसज्जित लेब खड बामनिया गाँव में स्थापित हुई है, जहाँ युवाओं, बच्चों के अलग अलग समूह बनाकर उन्हें कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है. युवाओं और किशोर-किशोरियों के साथ वर्तमान में कंप्यूटर और इन्टरनेट की बेसिक जानकारी के साथ उन्हें इसके उपयोग के लाभ बताये जा रहे हैं.

प्रशिक्षण केंद्र: हुनरघर के एक बड़े हिस्से को विभिन्न सामाजिक कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों के लिए भी तैयार किया गया है. डोर मेटरी व्यवस्था के अंतर्गत 50 लोगों के रुकने की व्यवस्था के साथ दो बड़े प्रशिक्षण हॉल, 04 ट्रेनर कक्ष (प्रत्येक में 2-4 लोगों के रुकने की व्यवस्था), रसोई घर, खेल मैदान, गार्ड कक्ष, भोजन क्षेत्र, महिला-पुरुषों के लिए पृथक पृथक शौचालय, चेंजिंग रूम आदि विकसित किये गए हैं.

इसी के साथ प्रशिक्षण से जुडी सभी डिजिटल सुविधाएं, स्टेशनरी, अन्य सहायक सामग्री भी मांग के अनुसार उपलब्ध करवाई गयी है.

ओरगेनिक खेती की शुरुआत: हुनरघर पर स्थानीय कृषक जैविक खेती सीख सके, इसके भी व्यापक प्रबंध किये जा रहे हैं. भविष्य में यहाँ एक ओपन थियेटर निर्माण की भी योजना है.

क्षमतालय

बच्चों के साथ उन्ही के गाँव- स्कूल में

जतन और क्षमतालय फाउंडेशन के साझे में बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए इस वर्ष अनोखी पहल की गयी. उदयपुर-सिरोही के आदिवासी क्षेत्र तथा दिल्ली के शहरी क्षेत्र के बच्चों के साथ शैक्षणिक सहयोग का कार्य आरम्भ किया गया. मकसद था- शिक्षा के हर एक पहलू पर गहराई से काम करना और ऐसे युवा तैयार करना,जो समाज को एक दिशा दे सके.

07 स्कूलों के 400 बच्चों के साथ फेलोशिप मॉडल पर कार्य आरम्भ किया गया. प्रत्येक स्कूल से जुड़े गाँव में ही रहकर फेलो अनुदेशकों ने बच्चों के साथ 24 घंटे जुड़ाव रखा. क्लासरूम शिक्षा के साथ साथ जीवन कौशल और सहज शिक्षा से उन्हें जोड़ा.

परिणाम यह रहा कि अकादमिक स्तर सुधरने के साथ साथ ऐसे शिक्षक और छात्र तैयार हुए, जिन्होंने आत्मविश्वास के साथ शिक्षा के एक अलग पहलू को समझा.

400 बच्चों से जुड़ाव

438 घंटे बच्चों के साथ क्लासरूम में जुड़ाव

376 सत्रों का आयोजन

17 अध्यापकों का नियमित क्षमतावर्धन

परियोजना में साथी विद्यालय

राजस्थान:

- राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मांडवा (कोटड़ा, उदयपुर)
- राजकीय माध्यमिक विद्यालय, आखाजी का टीबा (पिण्डवाडा, सिरोही)
- हुनरघर, बखेल (कोटड़ा, उदयपुर)

दिल्ली क्षेत्र :

- लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल, संगम विहार (दिल्ली)
- सहपाठी, गुरुग्राम (हरियाणा)
- निगम प्रतिभा विद्यालय, लालबाग (दिल्ली)
- निगम प्रतिभा विद्यालय, आजादपुर (दिल्ली)

परियोजना के आयाम

- फेलोशिप मॉडल
- ग्रेड एवं ट्रांसिशन
- ग्रीष्म कालीन अवकाश कार्यशालाएं
- अध्यापकों का क्षमतावर्धन
- समुदाय सहभागिता
- मेंटरशिप

ग्राम विकास में किशोरियों की भूमिका

सहाड़ा (भीलवाड़ा) में डी हंगर प्रोजेक्ट और AJWS के सहयोग से महिला जन-प्रतिनिधियों के साथ मिलकर 10 पंचायतों में किशोरियों के जीवन कौशल शिक्षा पर फोकस और बाल विवाह के विरुद्ध अभियान की शुरुआत अप्रेल 2015 से की गयी.

पंचायत स्तर पर किशोरियों के समूह बनाकर उनके साथ मासिक जीवन कौशल शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की गयी. महिला जन-प्रतिनिधियों के समक्ष गाँव की मुख्य समस्याओं आर समझ बनाने तथा जल्दी विवाह रोकने के लिए किशोरी-ब्रिगेड गठन का कार्य किया.

किशोरियों के इस समूह ने जहाँ गांवों में होने वाले दर्जनों ऐसे बेमेल या जल्दी विवाह की सूचना लीक की और बच्चियों के जीवन को सुरक्षित बनाया.

किशोरी मेला: किशोरियों के साथ इस वर्ष फ़रवरी में किशोरी मेला भी आयोजित किया गया. इस मेले में किशोरियों के बीच आगे पढने और स्वस्थ स्पर्धा की भावना विकसित करने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भी प्रेरित किया गया.

सफल महिलाओं से संवाद: किशोरियों का संवाद तहसील, जिला और राज्य स्तर पर सफल महिलाओं के साथ संवाद करुक्रम आयोजित किये गये. इस दौरान समाज के अलग अलग क्षेत्रों में सफल हुई महिला जन प्रतिनिधियों, वकील, चिकित्सक, खिलाड़ी, महिला पुलिस, कोर्पोरेट क्षेत्र आदि से महिला अथितियों को आमंत्रित किया गया. इस से किशोरियों को अपना भविष्यतय करने में सहयोग मिल सकेगा और वे टीचर-नर्स से आगे भी सोच सकेंगी.

अधिकारियों से मुलाकात: किशोरियों ने सहाड़ा पंचायत समिति मुख्यालय और भीलवाड़ा जिला मुख्यालय जाकर सक्षम अधिकारियों से चर्चा करके स्वयं से सम्बंधित चुनौतियाँ और अन्य अनुभव शेयर किये. इस दौरान समिति क्षेत्र में महिला महाविद्यालय नहीं होने का मामला भी उठा.

देखो मगर प्यार से ...

look at us

किशोर- किशोरियों और युवाओं से समाज की अपेक्षाएं तो काफी होती है, किन्तु उन्हें कई बुनियादी अधिकारों से वंचित रखने में भी यही समाज आगे है. शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और अपने सपनों को पूरा करने में आ रही अडचनों की पहचान कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने का नाम है "देखो मगर प्यार से". जतन के साथ इस परियोजना में अमेरिका से प्रिया गुलाटी जुडी.

खड बामनिया (रेलमगरा) और खेरवाड़ा के के 60-60 किशोर-किशोरियों के साथ उन्ही के बीच रहते हुए 06 हफ्तों तक सघनता से उनसे जुड़े मुद्दों की पहचान और उनके संभावित हल के लिए किशोर-किशोरियों की पहल का काम इस दौरान हुआ.

रेलमगरा में हिंदुस्तान जिंक तथा खेरवाड़ा में UNFPA के सहयोग से जारी इन कार्यक्रमों में पहले पहल 2 हफ़्तों में उनसे तथा उनके गाँव से जुड़े मसलों पर चर्चा और उनकी पहचान का टास्क दिया गया. धीरे धीरे समझ को स्थापित करते हुए एक्शन प्रोजेक्ट के तौर पर उनके संभावित समाधान की ओर बढ़ने को प्रेरित करना इसका उद्देश्य रहा. इस दौरान प्रत्येक किशोर-किशोरी तथा युवा के साथ उनके मार्गदर्शक भी तय किये गए, जो भविष्य में उन्हें अपने सपनों को पूरा करने में सहायता कर सके.

बाबुल छोटी सी उमर परनाई जो मति सा ...

गाँव के आधे से अधिक किशोर-किशोरियों और युवाओं की शादी तय उम्र से पहले हो चुकी ! जब प्रिया ने समूह चर्चा में सबसे पूछा कि वे अपने गाँव की किस बुराई को हमेशा के लिए खत्म करना चाहते हैं तो एक स्वर में आवाज़ आई- लड़कियों की जल्दी शादी करने और स्कूल छुडवाने की आदत !

अगले एक महीने तक लगातार इस बात पर मंथन होता रहा कि गाँव को कैसे इस से जोड़ा जाए ? बुज़ुर्ग ये बात तो स्वीकार करते कि यह गलत है पर वे इसे पूरी तरह से गलत भी नहीं मानते ! उनके व्यवहार को कैसे बदला जाए ? लगातार बैठकों के बाद एक शोर्ट फिल्म बनाकर उसे पूरे गाँव में रिलीज करने के साथ ही आम बैठक करने का निर्णय हुआ.

गाँव के ही बच्चों ने इस फिल्म में अभिनय किया और फिल्म को इस मोड़ पर लाकर ख़त्म किया जहाँ से गाँव के लोगों से बात की जा सके. अभियान सफल रहा और गाँव ने उनकी बात मानी. इस से भी आगे, बच्चों द्वारा बनाई गयी इस शोर्ट फिल्म को इन्टरनेट पर 7.5 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा और सराहा भी.

बच्चों के साथ

ख़ुशी

खुशी बाल विकास परियोजना, राजसमन्द जिले के 06 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शाला पूर्व शिक्षा आदि की बेहतरी के लिए एक समग्र प्रयास है. यह परियोजना ICDS और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से द्वारा राजसमन्द जिले के रेलमगरा, राजसमन्द और खमनोर उपखंडों के सभी 504 आंगनवाडी केन्द्रों पर संचालित है. परियोजना के तहत आंगनवाडी केन्द्रों पर समेकित बाल विकास योजना द्वारा प्रदत्त सभी 06 मुख्य सेवाओं को मज़बूत करना है, जिसमे पोषक तत्वो से पूर्ण पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाना, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू क्रियान्वयन, रेफरल सुविधाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाते हुए समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना है.

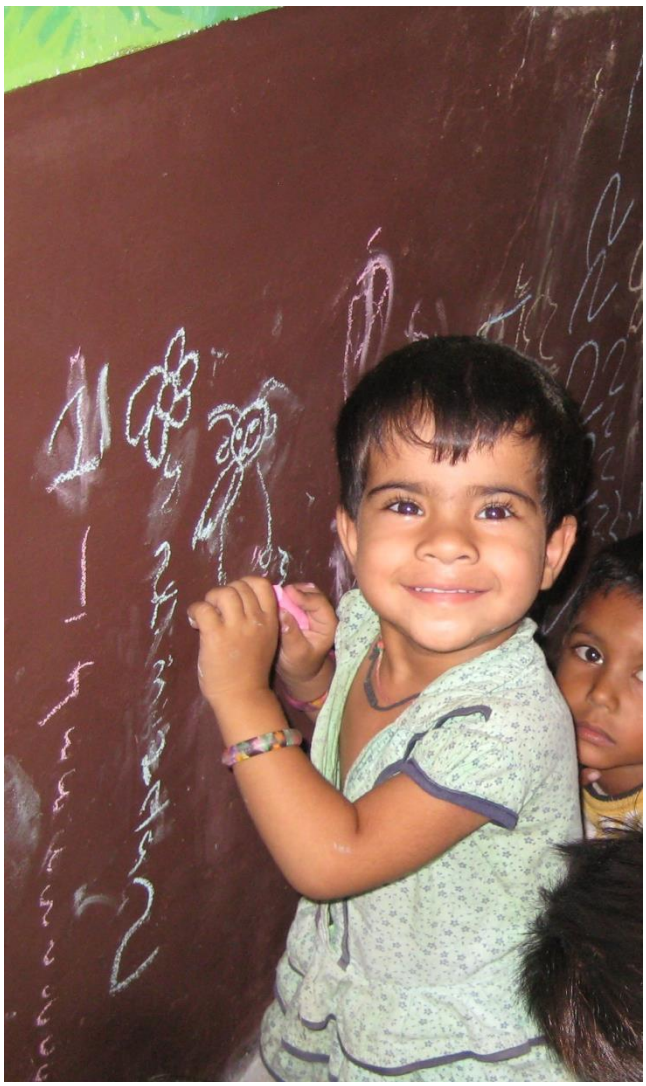

परियोजना की शुरुआत

मई माह में दो केबिनेट मंत्रियों श्रीमती किरण माहेश्वरी (उच्च शिक्षा मंत्री) और श्रीमती अनीता भदेल (महिला एवं बाल विकास मंत्री) की उपस्थिति में परियोजना की शुरुआत की गयी.

इस से पूर्व अप्रेल माह से स्टाफ चयन और तीनों उपखंडों में क्लस्टर संकुलीकरण आरम्भ कर दिया गया. नए चयनित कार्यकर्त्ता आंगनवाडी केन्द्रों तथा समुदाय को ठीक से समझ सके, इसलिए प्रारम्भिक तौर पर उन्हें केंद्र प्रोफाइल और ग्राम प्रोफाइल बनाने का कार्य सौंपा गया.

आमुखीकरण एवं कार्यकर्त्ता-सहायिकाओं का प्रशिक्षण

जून माह में स्टाफ के साथ परियोजना आमुखीकरण के पश्चात सबसे पहले आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ 05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गयी. इनमे शाला पूर्व शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण, टीकाकरण और स्वच्छता पर फोकस किया गया.

तत्पश्चात गृह विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से आंगनवाडी सहायिकाओं का पोषण और रेसिपी निर्माण आधारित प्रशिक्षण किया गया. इन प्रशिक्षणों में 87% कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही.

60.52%

बच्चों की नियमित उपस्थिति रही मार्च 2017 में, जबकि जून '16 में यह केवल 26.69% थी.

189 नए अतिकुपोषित बच्चों को MTC भर्ती करवाया गया जो केवल 04 माह में सघन गृह संपर्क के बाद सामने आये.

आंगनवाडी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को शाला पूर्व शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण पर आवासीय कार्यशालाओं के दौरान प्रशिक्षण दिया गया. **969**

209 आंगनवाडी केन्द्रों के 4600 से अधिक बच्चों को समुदाय के सहयोग से यूनिफार्म मिली

आंगनवाडी केन्द्रों का बदलता गया स्वरुप

कार्य की शुरुआत के दिनों में केन्द्रों के समय पर नहीं खुलने अथवा बंद रहने, नामांकन अनुरूप नगण्य उपस्थिति आदि की स्थिति थी. रेलमगरा में तो नामांकन के अनुरूप केवल 19% बच्चे ही उपस्थित मिले जबकि पूरे जिले में 27% बच्चों की उपस्थिति रही. केन्द्रों पर 30% बच्चे केवल पोषाहार के लिए ही केंद्र पर आये. ऐसे में पहला फोकस बच्चों की नियमित उपस्थिति और ठहराव पर रहा. नियमित निगरानी और सहायता से मार्च '17 आते आते केन्द्रों की उपस्थिति बढ़कर 60% से अधिक हो गयी. केन्द्रों पर बच्चों की संख्या के साथ साथ कार्यकर्त्ता और सहायिका की उपस्थिति को नियमित करने पर भी फोकस किया गया.

बेहतर स्वास्थ्य- बेहतर विकास

बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा को बेहतर बनाने के साथ साथ उनके स्वास्थ्य-स्वच्छता और पोषण पर भी व्यापक समझ बनाते हुए कई नवाचार किये गए. बच्चों की हाथ धोने की आदतें सुधारने के साथ साथ मासिक स्वच्छता किट सप्लाई को भी सुनिश्चित किया गया. इसके तहत नियमित तेल, कंघा, साबुन, नेल कटर, बर्तन धोने का डीश बार, शीशा आदि को किट में शामिल किया गया. साप्ताहिक विजिट के दौरान इनका उपयोग भी सुनिश्चित किया गया.

बच्चों के बेहतर पोषण के लिए THR का वितरण और उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नियमित मोनिटरिंग की गयी तथा गैप फिलिंग के लिए डालें, मूंगफली और सोयाबीन का भी सहयोग किया गया. राजसमन्द में परियोजना आरम्भ होने से लेकर अगले 08 माह तक कई सेक्टर में नियमित सुबह का सूखा नाश्ता नियमित नहीं था, इसे नियमित करने के लिए विभाग से लगातार बात करके उसे आरम्भ करवाया गया.मातृत्व दिवस पर नियमित टीकाकरण और मिशन इन्द्रधनुष में भी ख़ुशी टीम द्वारा सहयोग किया गया. ग्रोथ मोनिटरिंग को नियमित करवाने में विशेष सहयोग रहा.

सामुदायिक सहभागिता से बदली स्थितियां

नियमित विषय आधारित अभिभावक बैठकें, समुदाय के साथ रात्रि चौपाल, ग्राम सभा में सहभागिता, भोपा समुदाय के साथ बैठकें, नियमित गृह सम्पर्क, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पोषण समितियों के पुनर्गठन के साथ नियमित बैठकें आदि में लगातार प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्रों पर जहाँ समुदाय के लोगों की भागीदारी और सहयोग बढ़ा वहीँ समुदाय आधारित निगरानी में भी सहयोग मिला. आवश्यकता आधारित सामग्री में समुदाय ने खुले मन से सहयोग किया. केद्रों पर बच्चों के लिए दूध से शुरू हुआ सहयोग उनके लिए खिलौने, यूनिफार्म, जूते, पंखा-फर्नीचर, बिजली-जल कनेक्शन, शौचालय निर्माण आदि तक जारी रहा. अभिभावक बैठकों में महिलाओं ने कपडे के खिलौने बनाना आरम्भ किया, जिसे शाला पूर्व शिक्षा में शामिल किया गया.

निगरानी एवं मूल्यांकन

जुलाई-अगस्त में बेसलाइन अध्ययन के बाद प्राप्तरिपोर्ट के बाद परियोजना की रणनीति बनाई गयी.मासिक और साप्ताहिक समीक्षा बैठकों के साथ ही डिजिटल संसाधनों और मोबाइल एप आधारित निगरनी सिस्टम को लाया गया.केन्द्रों पर विजिट और बैठक रजिस्टर दिए गए ताकि केंद्र स्तर पर भी निगरानी को मजबूती प्रदान की जा सके.

साथी संस्थाओं के स्तर पर हिद जिंक और अन्य जिलों में कार्य कर रही संस्थाओं के साथ मासिक समीक्षा के लिए "प्रोजेक्ट स्टीयरिंग कमिटी" गठन कर नियमित बैठकें आरम्भ हुई. परियोजना सलाहकार समिति की त्रेमासिक बैठकें आयोजित हुई और प्राप्त सुझावों को परियोजना में जोड़ा गया. ICDS विभाग के साथ नियमित समन्वय के साथ साथ जिला कलक्टर से भी त्रेमासिक प्रगति शेयर की गयी.

रमत घमत एवं अन्य प्रकाशन

केंद्र स्तर पर नियमित क्षमता वर्धन और कार्मिकों के कार्य को पहचान दिलाने के उद्देश्य से अगस्त से मासिक पत्रिका रमत-घमत आरम्भ कीगयी. यह नियमित तौर पर सभी केन्द्रों पर पहुंची. बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य, पोषण पर कई जानकारी-परक सामग्री प्रकाशित की गयी.

कुपोषण : समझ से आगे निकली स्थितियां

सितम्बर माह में नेगडिया भील बस्ती (खमनोर)से लक्ष्मी नामक बच्ची को ख़ुशी कार्यकर्त्ता द्वारा लगातार कोशिशों के बाद MTC केंद्र में भर्ती करवाया गया. यह ख़ुशी परियोजना अंतर्गत अतिकुपोषण का पहला दर्ज मामला था. लक्ष्मी गमेती की फोटो और खबर जब अख़बार में प्रकाशित हुई तो पूरे परियोजना क्षेत्र से कई कार्यकर्ताओं के फोन आये कि इस प्रकार के बच्चे उनके आंगनवाडी पर भी मौजूद हैं. देखते ही देखते दो महीनों में 189 मामले सामने आ गए.

सर्वाधिक पीड़ित पंचायत बड़ा भानुजा (खमनोर) थी, जहाँ से सर्वाधिक 27 अतिकुपोषित बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया. यही से 02 शिशुओं की इलाज के दौरान मृत्यु तक हो गयी. इसी पंचायत के गाँव काड़ों का गुडा से सर्वाधिक 09 बच्चे सामने आये. उक्त सभी बच्चे अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे थे. यहाँ प्रशासन के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया तथा पर्याप्त उपचार पहुँचाया गया. पूरे खमनोर से 88 बच्चे सामने आये.

मार्च के तृतीय सप्ताह की स्थिति के अनुसार फ़िलहाल **63% बच्चों की सेहत में** तेज़ी से सुधार हुआ है. इनमे से 32% बच्चे सामान्य श्रेणी में आये है, जिनकी प्रति तीन माह में एक बार जांच की जा रही है. 31% बच्चे अतिकुपोषित श्रेणी से कुपोषित श्रेणी (लाल से पीली रेखा में) आये हैं. 35% बच्चे अभी भी अतिकुपोषित श्रेणी में ही है. इनमे अधिकांश को जनवरी या उसके बाद अस्पताल तक लाया गया.

जिला स्तरीय संवाद का आयोजन: जनवरी माह में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जिला कलक्टर की उपस्थिति में एक संवाद आयोजित कर स्थितियां स्पष्ट की गयी तथा कुपोषण पर संयुक्त रूप से काम करने की अपेक्षा की गयी.

संवाद मीडिया के साथ पैरवी: जिले में कुपोषण की स्थितियों को देखते हुए सभी स्टेक होल्डर्स के साथ चर्चा करना आवश्यक हुआ. सबसे पहले केसों में वृद्धि को देखते हुए मीडिया का सहयोग लिया गया और जिले के प्रमुख इलेक्ट्रोनिक और प्रकाशन मीडिया के साथ संवाद आयोजित किया गया. सोश्यल मिडिया से भी सहयोग लिया गया.

विजय - तब और अब

फिर से जी उठी ज़िन्दगी ...

बिजनौल (राजसमन्द उपखंड) से क्लस्टर समन्वयक श्रवन सिंह और आंगनवाडी कार्मिकों के संयुक्त प्रयासों से अतिकुपोषित विजय (उम्र 18 माह) को तत्क्लाल अस्पताल में भर्ती करवाया गया.

जांच में बच्चे का हिमोग्लोबिन स्तर खतरनाक लेवल 3.5 g/dl था, जबकि 18 माह के बच्चे का सामान्य हीमोग्लोबिन स्तर 10.3- 12 g/dl होना चाहिए था. चिकित्सकों ने तत्काल इलाज शुरू किया और बच्चा तकरीबन 12 दिन अस्पताल में रहा. इस दौरान ख़ुशी टीम समय समय पर विजय और उसके परिजनों से मिलती रही और उनकी काउंसिलिंग भी करती रही.

अस्पताल से घर जाने के बाद जब जतन ने पाया कि उसके घर पर ठीक से खाने को भी नहीं है, तो फेसबुक के द्वारा ऐसे परिवारों के सपोर्ट के लिए लोगों से खाद्यान्न का सहयोग माँगा गया. हमें तब तकरीबन 450 किलोग्राम दालें और चावल प्राप्त हुए. विजय के घर पर भी आवश्यकतानुसार खाद्यान्न पहुँचाया गया. साथ ही स्थानीय ग्राम पंचायत और आंगनवाडी केंद्र से अतिरिक्त पोषाहार सहयोग भी पहुंचा. फलस्वरूप बच्चे और उनके परिजनों की सेहत में उल्लेखनीय सुधार देखा गया.

नवंबर के आखिरी सप्ताह में जांच करने पर विजय का हीमोग्लोबिन स्तर 10.2 g/dl पाया गया, जो सामान्य श्रेणी से कुछ ही कम है. विजय के वजन में भी अच्छा सुधार देखा गया.

माँ के व्यवहार में आया परिवर्तन:

माँ रतनी भील अब भी देवी माँ में विश्वास करती है, किन्तु उसका मानना है कि शायद देवी माँ हमारे रूप में उसके घर पहुंची और उसके बच्चे को बचा लिया. उसने यह भी स्वीकार किया कि भविष्य में ऐसी कोई भी स्थिति आने पर वह देवरा धोकने के साथ साथ अस्पताल ज़रूर जायेगी.

नन्दघर "मॉडल आंगनवाडी"

आंगनवाडी केन्द्रों को मॉडल आंगनवाडी बनाने में समुदाय के सहयोग के साथ साथ हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का भी सहयोग रहा और इस वर्ष 10 केन्द्रों को इस योजना के अंतर्गत नन्दघर योजना में क्रमोन्नत करने के लिए चुना गया. नन्दघर योजना के तहत सबसे पहले रेलमगरा क्षेत्र के केन्द्रों को चुना गया. इन केन्द्रों पर बच्चों की प्रभावी शाला पूर्व शिक्षा, स्वच्छता के लिए सुन्दर बाल मित्र वातावरण देने के साथ साथ सोलर सिस्टम, चालित शौचालय, बाउंड्रीवाल, चोरी से सुरक्षा के उपाय, टीवी, स्वच्छ जल के लिए RO सिस्टम, स्थायी खिलौने आदि प्रदान किये जा रहे हैं. केन्द्रों पर बच्चों के व्यक्तिगत रिकॉर्ड मेंटेन के साथ साथ उनके सर्वांगीण विकास पर फोकस किये जाने की योजना है.

चयन का आधार: प्रथम चरण में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के इर्द गिर्द पायलट फेज़ पर 10 केंद्र चुने गए. इन केन्द्रों को चुनने के पीछे मुख्य आधार स्वयं का भवन एवं पट्टा, बच्चों का नामांकन आदि को देखा गया.

आंगनवाडी केंद्र	पंचायत	आंगनवाडी केंद्र	पंचायत
मेहन्दुरिया प्रथम	मेहन्दुरिया	नया दरीबा केंद्र	कोटड़ी
काबरा	काबरा	आंजना	गवारडी
लड़पचा	गवारडी	सिन्देसर कला	सिन्देसर कला
रेलमगरा प्रथम	रेलमगरा	राजपुरा	राजपुरा
पीपावास	कोटड़ी	सुनारिया खेडा	गवारडी

तब और अब

बाल विकास परियोजना

1505

0- 25 वर्ष तक के बच्चे - किशोर-किशोरियां और युवा हो रहे हैं सीधे लाभान्वित स्पोंसरशिप कार्यक्रम में.

26 सुदूर गांवों के हैं ये लाभान्वित. अधिकांश गांवों के घरों तक पहुँचने के लिए केवल पगडण्डी का सहारा.

नियमित स्वास्थ्य जांच के बाद आवश्यकता आधारित पोषण और स्वच्छता किट किये गए वितरित. उपयोग की नियमित मोनिटरिंग. इनमे दालें, गुड़, दलिया,सोयाबीन प्रमुख रूप से किये जा रहे वितरित. साबुन- बाल्टी- मग,फ़िनाइल, तौलिया भी किट में शामिल. **87**

7000 से अधिक ग्रामीणों ने कार्यक्रम के साथ जुड़ने का संकल्प लिया जन चेतना यात्रा के दौरान.

उदयपुर के गोगुन्दा ब्लाक के सुदूर 26 गांवों में सघन रूप से काम करते हुए बाल विकास परियोजना की शुरुआत हुई. चाइल्ड फंड इंडिया के सहयोग से जुलाई में इस परियोजना की नींव रखी गयी. 1500 से अधिक स्पोंसरशिप योजना से लाभान्वित बच्चों के साथ ग्रांट फण्ड के द्वारा ग्राम विकास गतिविधियों के साथ इस परियोजना का असल मकसद 25 वर्ष के युवाओं और किशोर किशोरियों के साथ मिलकर ग्राम विकास का खाका तैयार करना था. इनमे बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण और स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं तक उनकी पहुँच और अधिकार को सुनिश्चित करना था.

0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के साथ शाला पूर्व शिक्षा और स्वास्थ्य- टीकाकरण, 6-14 वर्ष तक के बच्चों और किशोर किशोरियों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण तथा इस से अधिक 25 वर्ष तक के युवाओं के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण के साथ जीवन कौशल और आजीविका पर ध्यान केन्द्रित किया गया. इसी के साथ समुदाय को भी साथ जोड़ा गया.

ग्राम चेतना निर्माण गतिविधियाँ: परियोजना की शुरुआत के साथ ही सबसे पहले ग्राम चेतना निर्माण के लिए कठपुतली कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. लगातार चयनित 26 गांवों और उसके फलों के साथ ही ब्लाक मुख्यालयों और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर भी चेतना निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये गए. चयनित वर्ग के 1392 समुदाय नागरिकों के साथ इन कार्यक्रमों से 7000 लोगों तक सीधी पहुँच बनी. इसमें बीकानेर से आये लोक कलाकारों के दल ने सहभागिता निभाई.

ग्राम आधारित बैठकें: परियोजना की पहली तिमाही में चयनित गांवों में समुदाय आधारित बैठकें आयोजित की गयी. इन बैठकों का उद्देश्य पर्यियोजना के उद्देश्यों और विजन के बारे में समुदाय की भूमिका तय करना था.

विद्यालय प्रबंधन समिति की संयुक्त कार्यशाला: बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कड़ी में पहला कदम चयनित विद्यालयों में स्कूल प्रबंधन कमिटी को सक्रिय करना था. इसी क्रम में पहले विद्यालय स्तर पर और बाद में ब्लाक स्तर पर समिति के सदस्यों के साथ समिति की प्रभावी कार्य प्रणाली पर कार्यशालाएं आयोजित की गयी. रणनीति के तहत मासिक बैठकों की रुपरेखा तय करके उन्हें अमली जमा पहनाया गया.

अभिभावक बैठकें: विद्यालय के सही प्रबंधन में अभिभावकों की भूमिका तय करने के उद्देश्य से नियमित अभिभावक बैठकें भी आयोजित की गयी. स्पोंसरशिप बच्चों के साथ साथ सम्बंधित गाँव के अन्य स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को इसमें जोड़ा गया. द्वितीय और तृतीय तिमाही में इन बैठकों में समुदाय की प्रभावी उपस्थिति रही.

छात्र संसद बैठकें: विधायाली में छात्र संसद का गठन करके बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए तथा साथ ही विधायाली परिसर को बेहतर बनाने में बच्चों के योगदान को देखते हुए छात्र संसद बैठकें पूरे वर्ष में कुल 03 बार आयोजित की गयी.इनमे कुल 201 छत्रों ने सहभागिता निभाई, जिनमे 77 किशोरियां थी.

स्पोंसर सप्ताह का आयोजन: विभिन्न दानदाताओं से सीधे अनुदान प्राप्त के लिए चयनित बच्चों के साथ तीसरी तिमाही में स्पोंसर वीक सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया. इसमें कुल 143 बच्चों की सहभागिता रही.

स्पोर्ट्स सप्ताह: गोगुन्दा ब्लाक स्तर पर आयोजित खेलकूद सप्ताह के दौरान 26 गांवों से विभिन्न स्पर्धाओं में 272 बच्चों और किशोर- किशोरियों की सहभागिता रही, जिनमे 161 स्पोंसर बच्चे शामिल थे. इस दौरान विभिन्न व्यक्तिगत और सामूहिक खेलों का आयोजन किया गया. पारंपरिक आदिवासी खेल स्पर्धाओं को भी इसमें शामिल किया गया. विजेताओं को सम्मानित किया गया.

किट वितरण : 87 चयनित स्पोंसर बच्चों के परिवारों को इस वर्ष पोषण और स्वच्छता किट वितरित किये गए. इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों की स्वच्छता सम्बन्धी आदतों में बदलाव करना और रक्ताल्पता से ग्रसित बच्चों की पोषण सम्बन्धी आदतों में सुधार करना था.

स्वच्छता किट में नहाने और कपडे धोने के साबुन (प्रत्येक बच्चे को 06-06), मंजन- ब्रश, बाल्टी- मग, तौलिया, फिनाइल, साबुनदानी आदि शामिल थे. पोषण किट में प्रत्येक बच्चे के लिए 2 -2 किलोग्राम दालें, दलिया, सोयाबीन, गुड़, चावल आदि शामिल किये गए. इनके उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए नियमित फोलोअप भी किया गया.

टीम एक्सपोजर विजिट्स: ब्लाक परियोजना टीम के 12 सदस्यों के दल ने काम को समझने के लिए गुजरात के कच्छ रण क्षेत्र में खमीर संस्था का अवलोकन किया.

भ्रमण: परियोजना क्षेत्र में स्पोंसर बच्चों को इस वर्ष उदयपुर शहर, प्रताप गौरव केंद्र का भ्रमण करवाया गया.

त्योहारों का संयुक्त आयोजन : इस वर्ष स्कूल स्तर पर सभी सामाजिक और सांस्कृतिक त्यौहार और राष्ट्रीय पर्वों को सामूहिक रूप से मानाने की परंपरा आरम्भ की गयी.

सामुदायिक वाचनालय: ब्लाक के तीन गांवों घाटा, ईंटो का खेत और सिवेडिया में कुल तीन पुस्तकालय और वाचनालय स्थापित किये गए. प्रत्येक केंद्र पर आवश्यक पुस्तकों के साथ नियमित समाचार पत्र आरम्भ किये गए.

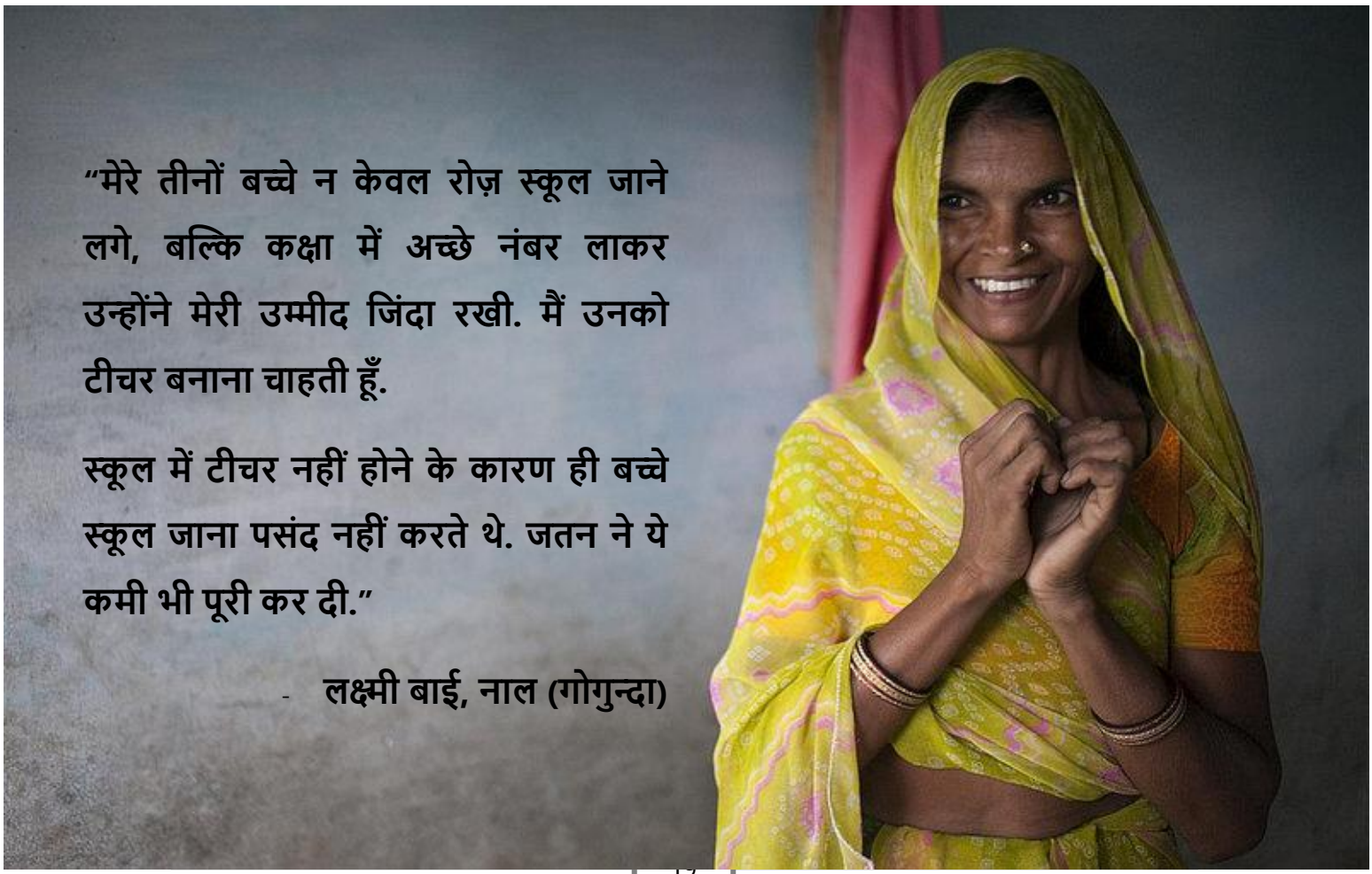

चाइल्डलाइन

307

बच्चों के फोन आये पहले साल में

50 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया गया

27 कचरा बीनने वाले बच्चों को

शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा

18 बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा.

07 बाल विवाह रुकवाए गए

100 बच्चों को विविध सहायता दिलाई गयी

04 बच्चों को यौनिक प्रताड़ना से मुक्ति मिली

बच्चों को आपात परिस्थितियों में तत्काल सहायता पहुँचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर संचालित चाइल्ड लाइन 1098 हेल्प लाइन का पदार्पण पिछले मार्च में राजसमन्द में हुआ.

भारत सरकार और चाइल्डलाइन के द्वारा 24x7 संचालित इस नि:शुल्क फोन सेवा को राजसमन्द में संचालित करने के लिए जतन के साथ करार किया गया. यह सुविधा न केवल बच्चों से सम्बंधित फोन अटेंड करके उनके समाधान के लिए प्रयास करती है बल्कि संकट में फंसे बच्चे को रेस्क्यू करने, जिला बाल कल्याण समिति और पुलिस-प्रशासन के सहयोग से उसके बेहतर भविष्य के प्रयास करने तथा जागरूकता निर्माण के लिए भी कार्य करती है.

क्षेत्र विजिट्स और प्रसार : व्यक्तिगत, समूह में और रात्री में लोगों से मिलकर चाइल्डलाइन की जानकारी देना और उनके फोन से 1098 पर फोन लगाकर उन्हें इस नंबर से मित्रता लार्वाना आउटरीच का प्रमुख कारण रहा. टीम द्वारा लगातार सभी प्रमुख स्कूलों, कोलेज, सामुदायिक स्थलों, धार्मिक स्थलों, बस स्टेंड-रेलवे स्टेशन आदि पर जाकर लोगों को जानकारीपरक सामग्री वितरित की गयी. यह गतिविधि पूरे वर्ष जारी रही.

लगातार पूरे वर्ष अलग अलग क्षेत्रों में जाकर चाइल्ड लाइन और बच्चों की हिंसा से जुडी कई जानकारीपूर्ण फिल्मों का प्रदर्शन किया गया. जिले भर के कई स्थानों पर वाल पेंटिंग, स्लोगन लेखन, रैली- नुक्कड़ चर्चा आदि माध्यमों से भी बाल हिंसा के विरुद्ध लोगों में जागरूकता फैलाते हुए उन्हें चाइल्डलाइन की सेवाओं से जोड़ने के प्रयास किये गए. इस दौरान कई स्थानों, मेलों और सामुदायिक कार्यक्रमों में चाइल्डलाइन के स्टाल लगाये गए.

चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन: नवम्बर माह में चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया गया. स्कूली और गैर स्कूली बच्चों के साथ बड़े स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए. रचनात्मक कौशल अभिव्यक्ति के दौरान कई रोचक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी.

मेरा बचपन-मेरा अधिकार : जून माह में ऐसे स्थानों का चयन किया गया, जहाँ सर्वाधिक बाल श्रमिक पाए गए थे, वहां ठेकदारों, मालिकों के साथ अवेयरनेस कायक्रम और संवाद आयोजित किये गए.

इसी के साथ बाल संरक्षण आयोग अध्यक्षा मनन चतुर्वेदी के साथ आयोजित संगोष्ठी में जिले में बच्चों की सथितियों पर चर्चा की गयी. जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारियों को भी इस विषय पर संवेदनशील किया गया.

अपना जतन केंद्र

उदयपुर की नीमच माता कच्ची बस्ती (देवाली) क्षेत्र में गिबेको, जर्मनी के सहयोग से अक्तूबर 2010 से संचालित अपना जतन केंद्र बच्चों का प्रमुख सीखने-सिखाने का केंद्र हैं. यह केंद्र न केवल शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आया है बल्कि स्कूल में जाने वाले बच्चों के लिए "शिक्षा में सहयोग" के रूप में भी इसकी व्यापक पहचान बनी है.
इस वर्ष बच्चों की बढती संख्या को देखते हुए सितम्बर में केंद्र का विस्तार किया गया और एक अन्य भवन किराये पर लिया गया और बच्चों को उनके पढाई के स्तर के अनुसार अलग अलग शिफ्ट किया गया. इस वर्ष तक अपना जतन से कुल 1250 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए है.

सामाजिक मानचित्रण: इस वर्ष एक बार पुनः सामाजिक मानचित्रण करते हुए पहाड़ी क्षेत्र की कच्ची बस्ती के वंचित बच्चों को केंद्र से जोड़ने के प्रयास किये गए. फलस्वरूप इस वर्ष कुल बच्चों की संख्या बढ़कर 67 हो गयी. इस दौरान नजरी नक्शा का निर्माण करते हुए डोर टू डोर परिवारों का सर्वे किया गया.

पालनाघर: कच्ची बस्ती की कामकाजी महिलाओं के कुल 13 बच्चे (0-5 वर्ष) वर्तमान में पालनाघर से जुड़े है. शाला पूर्व शिक्षा, स्वच्छता, पोषण आदि के लिए अपना जतन इन बच्चों के साथ सार्थक प्रयास कर रहा है. अब तक कुल 86 बच्चें पालनाघर से लाभान्वित हो चुके है, जिनमे से 32 बच्चों को स्कूलों में भर्ती करवाया जा चुका है.

Day care and preschool education	**13**
Alternative education classes for school dropouts	**08**
Nutritional support for children (0-14)	**26**
Education support	**45**
Total children registered in the year *(new)*	**30**
Enrolled out of school children in mainstream since 2010	**111**

उड़ान
शिक्षा से बदलती जिंदगानियां

रेलमगरा की 06 बच्चियों को जतन द्वारा वर्ष 2011 में शिक्षा प्रदान करने के लिए गोद लिया गया. ये वे बच्चियां थी, जिनके परिवारजन विविध कारणों से उन्हें भविष्य में उच्च शिक्षा दिलाने के पक्ष में नहीं थे. परिवार जनों के साथ लगातार लम्बी समझाइश के दौर के बाद वे अपनी बेटियों को शिक्षा के लिए जतन को गोद देने को राज़ी हो गए. वर्तमान में जॉन डियर फाउंडेशन के सहयोग से सभी बच्चियां न केवल अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रही है, बल्कि दो किशोरियां रेलमगरा से राजसमन्द जाकर उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रही है.

कोचिंग: सभी 06 बच्चियों की प्रतिदिन विषयवार कोचिंग कक्षाएं स्कूल से आने के पश्चात जतन परिसर में आयोजित की गयी. सप्ताह के पांच दिवस आयोजित इन कोचिंग कक्षाओं में अलग अलग विषय-विशेषज्ञों की सहायता ली गयी.

स्वास्थ्य एवं पोषण: सभी बच्चियों को नित्य दोपहर में गुड- चना, मौसमी फल एवं ज्यूस आदि दिए गए, ताकि हीमोग्लोबीन स्तर उचित रहे तथा वे सामग्री जो बच्चियों को घर पर उपलब्ध न हो, उसकी पूर्ति की जा सके. बच्चियों का नियमित त्रेमासिक स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया. इस दौरान रक्त जांच एवं वृद्धि जाँची गयी. वार्षिक एक बार फुल-बॉडी चेकअप भी करवाया गया. बच्चियों में उत्तरोत्तर स्वास्थ्य स्तर में वृद्धि देखी गयी.

करियर उपयोगी सलाह: किशोरियों को करियर से जुडी सलाह, विभिन्न क्षेत्रों में सफल महिलाओं से मुलाकात आदि गतिविधियों द्वारा करियर निर्धारण के लिए सलाह दी गयी.

समग्र विकास: आर्ट एवं क्राफ्ट, स्पोकन इंग्लिश, सामान्य ज्ञान, साप्ताहिक खेल दिवस, साप्ताहिक मूवी शो आदि का आयोजन तय प्लान अनुसार किया गया.

त्रेमासिक सांस्कृतिक भ्रमण के दौरान बच्चियों को शिल्पग्राम उत्सव, उदयपुर; चितौडगढ़ किला, उदयपुर के महल, राजसमन्द मुख्य चिकित्सालय, नगरपालिका कार्यालय, कलक्ट्रेट आदि का भ्रमण करवाया गया. इस दौरान बच्चियों ने उच्च पदों पर आसीन महिला अधिकारियों से भी मिलवाया गया.

शिक्षा में सहयोग: स्कूल में जिन बच्चों के दाखिले करवाए गए, उन्हें लगातार सहयोग की ज़रूरत को देखते हुए कोचिंग प्रदान करने का फैसला किया गया. इस समय तकरीबन 50 से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जो स्कूल के बाद लगातार 3 घंटे शैक्षणिक सहयोग के लिए अपना जतन आते हैं. यहाँ विषय के टीचर्स उन्हें शिक्षा में सहयोग करते हैं. इनमे अधिकांश राजकीय स्कूलों के बच्चे हैं.

समर कैंप : इस वर्ष भी मई-जून में ग्रीष्म अवकाश के दौरान दो माह का समर कैंप आयोजित किया गया. इस दौरान बच्चों ने कंप्यूटर लर्निंग, आर्ट-क्राफ्ट, नृत्य, गायन आदि में रूचि दिखाई.

वार्षिक उत्सव का लगातार चौथा साल : समर कैंप के बाद आयोजित अपना जतन वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया. इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी, जिन्हें अतिथियों और स्थानीय समुदाय ने काफी सराहा. अभिभावकों की अपने बच्चों की प्रस्तुतियों पर आँखें नाम हुई.

शैक्षणिक भ्रमण: प्रत्येक तिमाही में शैक्षणिक भ्रमण इस बार भी जारी रहा. इस वर्ष कुम्भलगढ़, हल्दीघाटी, हेल्थ वंडर वर्ल्ड, पिछोला भ्रमण, राष्ट्रिय फिल्म महोत्सव में भागीदारी के साथ जारी रहा.

इन भ्रमण में प्रत्येक बार 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया.

हम नहीं किसी से कम: फतह सागर पर आयोजित एक दिवसीय "हुनर" महोत्सव में अपना जतन के बच्चों की प्रतिभा को शहरवासियों ने काफी सराहा. बच्चों द्वारा बनाई कबाड़ से जुगाड़ - कलाकृतियों को पसंद किया गया वहीँ ढोल बजाने, कठपुतली प्रदर्शन, नृत्य कला को भी शहरवासियों की दाद मिली.

महिलाओं के साथ

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING

4 QUALITY EDUCATION

5 GENDER EQUALITY

10 REDUCED INEQUALITIES

13 CLIMATE ACTION

16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS

पंचायतीराज में महिला जन प्रतिनिधियों का सशक्तिकरण

पंचायत चुनाव 2015 में चुनकर आई नयी महिला जन-प्रतिनिधियों के साथ विगत वर्ष कार्य की शुरुआत की गयी. चुनाव के बाद रेलमगरा (राजसमन्द) में 163 महिला जनप्रतिनिधि चुनकर आई जबकि सहाड़ा (भीलवाड़ा) में 143 महिला जनप्रतिनिधियों ने पद भार संभाला. इस बार प्रमुख बात यह रही कि जन प्रतिनिधि शिक्षित थी.

आवश्यकता आधारित कार्यशालाओं का आयोजन:

वित्तीय वर्ष में दोनों उपखंडों में कुल 08 महिला नेतृत्व कार्यशालाएं आयोजित की गयीं. इन कार्यशालाओं में मुख्यतः स्वच्छ भारत मिशन की क्रियान्विति, कुपोषण एवं खाद्य सुरक्षा, समाज में महिलाओं की स्थिति, पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था, वार्ड सभा, ग्राम सभा, पाक्षिक बैठक, जनप्रतिनिधियों के अधिकार एवं कार्य, नेतृत्व बदलाव तथा बदलाव की सोच पर फोकस किया गया. समाज के हर वर्ग के विकास पर कार्य योजना निर्माण एवं बजटिंग पर भी सत्र आयोजित किये गए.

इसी के साथ बाद में समान विषयों पर फोलो-अप कार्यशालाएं भी आयोजित की गयी. इस दौरान विकास कार्यों में आ रही चुनौतियों के समुचित समाधान पर भी विषय विशेषज्ञों द्वारा जनप्रतिनिधियों का क्षमता विकास किया गया.

परिणाम यह रहा कि 07 ग्राम पंचायतें इसी वित्तीय वर्ष में सबसे पहले ओडीएफ घोषित हुई. 06 महिला सरपंचों को अपनी पंचायतों में 90% घरों में शौचालय निर्माण पर सम्मानित किया गया.

द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान, द्वारा पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत चयनित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य किया जा रहा है. राजसमन्द तथा भीलवाड़ा जिलों में गठित महिला पंच- सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य जारी है.. परस्पर समझ और एकता से कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला ये संगठन विकसित कर चुके हैं.

17128 • शौचालय बनाये गए महिला जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से ...

12 • पंचायतों में नियमित बालिका जन्म पर मनाई जाती है सामूहिक खुशियाँ

1451 • परिवार जुड़े विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से

57 • पंचायतों की महिला जनप्रतिनिधि एकजुट हुई अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध

181 • स्कूलों और आंगनवाडियों की नियमित विजिट करती है महिला जनप्रतिनिधि

नियमित पंच सरपंच संगठन बैठकें :

निर्वाचित महिला पंच- सरपंच जनप्रतिनिधियों का यह संगठन महिला नेतृत्व को कार्य के दौरान आ रही चुनौतियों पर सामूहिक निर्णय लेता है. विगत वर्ष में गठित दोनों ब्लाक के संगठनों की त्रेमासिक बैठकें भी इस वर्ष नियमित रही. बैठक के दौरान मनरेगा कार्य, पाक्षिक बैठकों के नियमितीकरण, वार्षिक कार्य योजना आदि मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई. इसी के साथ पंचायतों के अधीन आ रहे प्रमुख विभागों में रिक्त चल रहे पदों पर शीघ्र नियुक्ति, परस्पर विकास की अवधारणा को समझने आदि पर संगठन बैठकें केन्द्रित रही.

इस दौरान संगठन सदस्यों ने रेलमगरा और गंगापुर पुलिस थाना विजिट कर वहां महिला हिंसा से आधारित प्रक्रिया को समझा. दोनों ही उपखंडों में संगठन को कार्यालय संचालित करने के लिए जतन की ओर से स्थान उपलब्ध करवाया गया है.

महिला जागरूक मंचों का गठन एवं नियमित बैठकें :

निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों को ग्राम एवं पंचायत स्तर पर सहयोग करने तथा भविष्य के चुनावों में एक सशक्त महिला नेतृत्व को खडा करने के उद्देश्य से इस माह दोनों उपखंडों में कुल 40 महिला जागरूक मंच गठित किये गए. इन जागरूक मंचों की नियमित त्रेमासिक बैठकें इसी वर्ष आरम्भ हुई.

महिला जागरूक मंच की सदस्य महिलाएं जहाँ वर्तमान नेतृत्व के कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने में समुदाय के साथ मिलकर काममम करती हैं, वहीँ आगामी चुनावों के लिए स्वयं को तैयार करती है.

बदलाव की पहल :

क्षेत्र में बदलाव को समझने के लिए रेलमगरा और सहाडा की महिला प्रधान पंचायतों को देखना चाहिए. अपने क्षेत्र में समुदाय के सकारात्मक व्यवहार की द्योतक बनी महिला सरपंच कई अनूठे नवाचार कर रही हैं.

न केवल उपलब्ध संसाधनों का उपयोग, बल्कि नए संसाधनों की पहचान कर उनका क्षेत्र विकास में उपयोग देखने योग्य है. चाहे अपने अपने ब्लाक में सबसे पहले अपनी पंचायतों को निर्मल ग्राम पंचायत घोषित करवाना हो या नियमित स्कूल-आंगनवाडी केंद्र विजिट्स; सभी में महिला जनप्रतिनिधि सबसे आगे है. पाक्षिक बैठकों को नियमित करने, विकास मेलों का आयोजन, बालिका शिक्षा के लिए लगातार राज्य स्तर तक पैरवी, महिला किसानों के लिए किसान क्लब की स्थापना, बेटियों के सम्मानित जीवन को पुनर्स्थापित करने के लिए "गोद भराई रस्म", महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध व्यापक कदम उठाने, जेंडर पंचायत सन्दर्भ केंद्र स्थापना, जन सुनवाई में सहभागिता आदि में महिला नेतृत्व बखूबी अपने होने के अहसास को प्रस्तुत कर रहा है.

बदलाव की पहल

बेटी का मान सृष्टिदायिनी का सम्मान

"मैं सरपंच बनी ही थी कि मेरे पंचायत में चौथी बेटी को जनते समय एक माँ की मौत हो गयी. इस घटना ने मन को झकझोर दिया. समुदाय और पंचायत को साथ लिया और तय किया कि इस तरह से किसी माँ को बार बार प्रसव से नहीं गुज़रना होगा और जन्म पर बेटी और बेटे को सामान सम्मान मिलेगा."

लापस्या की सरपंच सपना शर्मा अपनी पंचायत में उन सब दम्पत्तियों को सम्मानित करती है, जो बेटी पैदा होने के बाद बेटे की चाहत नहीं रखते. साथ ही वे हर एक गर्भवती महिला की सार्वजनिक गोदभराई रस्म कर अपनी कोख से प्रेम करना सिखाती हैं.

सपना शर्मा से शुरू हुआ यह अभियान फ़िलहाल 12 पंचायतों तक फ़ैल चुका है. आखिर बात माँ और बेटियों के सम्मान से जो जुडी है...

कुंवारिया : अटल सेवा केंद्र पर हुई 30 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म

कुंवारिया. कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करते हुए।

कुंवारिया। लापस्या पंचायत के अटल सेवा केंद्र पर गुरूवार को सरपंच सपना शर्मा की अध्यक्षता में तीस गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि गणेश लाल पालीवाल, कुरज मंडल अध्यक्ष अरूण बोहरा, महिला जिलाध्यक्ष कला राजोरा थे। सरपंच ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के तहत महिलाओं को जानकारी दी गई। उपस्वास्थ्य केंद्र की एएनएम को गर्भवती महिलाओं की समय पर समय पर जांच व परामर्श देने की बात कहीं। सभी तीस महिलाओं की गोद भराई की रस्म की गई। इस दौरान भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष मानसिंह बारहठ, भाजपा जिला महामंत्री पुष्पा पालीवाल, सचिव रमेशचन्द्र सुथार, पटवारी कैलाशचन्द्र कुमावत, रामलाल जाट, गोविंद व्यास, छीतरमल जाट, वरदी देवी, लक्ष्मी कांत शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, अमर सिंह, सुनीता भाट, विनोद कुमार, एएसआई मानसिंह आदि बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं मौजूद थी।

मातृत्व स्वास्थ्य

राजसमन्द में सुरक्षित मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण पर शोध एवं पैरवी

राजस्थान राज्य के गणना उन राज्यों में होती हैं, जहाँ आज भी मातृ एवं शिशु मृत्यु दर काफी अधिक है. विविध कल्याणकारी योजनाओं के कारण स्थिति में काफी सुधार आया है, किन्तु अभी भी काफी कार्य शेष है. राज्य एवं केंद्र सरकारों द्वारा संचालित विविध योजनाओं जैसे *जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री घी योजना, कलेवा योजना, शुभ लक्ष्मी योजना* के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उनके लाभ को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जतन ने राजसमन्द में इस वर्ष रिसर्च, पैरवी का कार्य किया.

रेलमगरा में आधारभूत सेवाओं एवं सुविधाओं पर शोध: सुरक्षित मातृत्व गठबंधन (सुमा) के अंतर्गत जतन ने चेतना (अहमदाबाद) के सहयोग से रेलमगरा के चयनित उपस्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूदा व्यवस्थाओं और सुविधाओं पर शोध करते हुए मुद्दा आधारित बैठकें आयोजित की. गाँव में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा उनके महिला परिजनों के साथ आयोजित इन बैठकों में उनके अनुभवों को समझा गया. इस अनुभवों को *ग्राम सभा* के सामने प्रस्तुत करते हुए समस्याओं के समाधान पर पैरवी की गयी.

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की नियमित बैठकें: रेलमगरा तथा कुरज में राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (RMRS) की नियमित बैठकें सञ्चालन में जतन की भूमिका सार्थक रही. इस दौरान समिति की बैठकें नियमित करवाने तथा मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी में समिति के योगदान पर चर्चा की गयी.

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति सदस्यों के साथ नियमित सम्पर्क: प्रत्येक माह के प्रथम गुरुवार को आयोजित ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति (VHSNC) के साथ बैठकों में लगातार मातृत्व स्वास्थ्य पर चर्चा की गयी. इस दौरान समिति के बजट को इस ओर खर्च करने सम्बन्धी सलाह एवं प्रशिक्षण भी दिया गया.

उम्मीद

परिवार परामर्श केंद्र

महिलाओं के साथ होने वाली शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं यौनिक हिंसा की रोकथाम के लिए जतन संस्थान राजसमन्द जिले में लगातार सजगता पूर्वक कार्य करते हुए विभिन्न मुद्दे समय समय पर उठाती रही है. इस वर्ष भी "उम्मीद: परिवार परामर्श केंद्र" द्वारा राजसमन्द और रेलमगरा में महिलाओं को लगातार परामर्श एवं सहायता प्रदान की गयी. मार्च 2016 तक 1600 से अधिक महिलाओं तक परामर्श एवं कानूनी सहायता के लिए केंद्र की भूमिका सराहनीय रही.

केंद्र का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, परामर्श और कानूनी सहायता प्रदान करवाना और उनके आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना करना है.

इस वर्ष इस केंद्र को राज्य सरकार के साथ संचालित नहीं करके जतन द्वारा ही संचालित किया गया. महिलाओं से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लेते हुए भ इस केंद्र को बगैर किसी वित्तीय सहायता के संचालित किया जा रहा है.

इस वर्ष केंद्र पर सर्वाधिक मामले घरेलू प्रताड़ना, विवाह विच्छेद के लिए प्रताड़ना, मानसिक उत्पीडन, भरण पोषण, डायन कहकर प्रताड़ना, दहेज़ मांगने आदि रहे. कुल दर्ज 177 परिवादों में सबसे अधिक दहेज़ प्रताड़ना और भरम पोषण से सम्बंधित रहे. स्थानीय क्षेत्र में ओ.बी.सी. जातियों में आटा-साटा, जल्दी विवाह आदि के चलते विवाह विच्छेद के इस प्रकार के मामले सामने आये.

दहेज़ एवं प्रताड़ना	27
मारपीट	09
यौन शोषण	12
मानसिक/ आर्थिक उत्पीडन	07
भरण पोषण सम्बन्धी	33
सामान्य सलाह	71
धोखाधड़ी	08
डायन	01
अन्य	09
कुल	**177**

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के खिलाफ अभियान:
फ़रवरी माह में रेलमगरा की दस पंचायतों में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विरोध में जन जागरूकता अभियान चलाया गया. इस दौरान चेतना रथ के द्वारा प्रदर्शनी, रैली, पोस्टर, नारा लेखन, नुक्कड़ चर्चा आदि गतिविधियों के द्वारा जागरूकता बनाने की सार्थक कोशिश की गयी. इस दौरान महिला जनप्रतिनिधियों के साथ भी लगातार बैठकें आयोजित की गयी.
चेतना रथ ने इस दौरान 3000 से अधिक घरों पर सीढ़ी दस्तक दी. इस दौरान 30 से अधिक नुक्कड़ सभाएं, 10 बड़ी सभाएं भी आयोजित की गयी.

पुलिस एवं प्रशासन के साथ समन्वय: राजसमन्द जिला पुलिस ने कई स्थानों पर जतन को सलाह और सहयोग के लिए आमंत्रित किया. रेलमगरा थाना ने 50 से अधिक दर्ज मामलों में जतन से नि:शुल्क विशेषज्ञ सेवाएं ली. कई मामलों को परस्पर समझाइश के लिए केंद्र को रेफर किया.

विद्यालय/ कॉलेज सेमिनार : परिवार परामर्श केंद्र द्वारा चाइल्ड हेल्प लाइन के सहयोग से स्थानीय कस्तूर बा आवासीय बालिका विद्यालय, कॉलेज आदि में सतत सम्पर्क कर सेमिनार आयोजित किये गए. इस दौरान पोक्सो एक्ट सहित महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध चेतना निर्माण का कार्य किया गया.

जिलास्तर पर कई समितियों में जतन प्रतिनिधि नामित हुए हैं. आतंकवाद निरोधी, दहेज निषेध, बाल विवाह रोकथाम आदि में जतन को बतौर समिति सदस्य आमंत्रित किया गया.
जिला स्तरीय यौन उत्पीडन समिति, बचपन बचाओं समिति, जिला शांति समिति, CLG समिति, मानव तस्करी निषेध समिति, महिला जिला सहायता समिति, बाल संरक्षण समिति, प्रजनन स्वास्थ्य कमिटी का मानद सदस्य बनाया गया.
केंद्र ने परामर्श के लिए समुदाय को साथ जोड़ते हुए कई मामलों में वरिष्ठ अधिवक्ता, महिला जन प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया, अन्य साथी संस्थाओं की भी प्रभावी सहायता ली.

बेटियों की बातें
घटते शिशु लिंगानुपात के विरुद्ध मुहिम

राजसमन्द तथा उदयपुर जिले में बेटियों के सम्मानित जीवन को पुनर्स्थापित करने तथा गिरते शिशु लिंगानुपात को नियंत्रित करने के उद्देश्य से "बेटियों की बातें" कार्यक्रम जतन द्वारा चलाया जा रहा है. इसके तहत ग्राम स्तर पर कार्य कर रहे पंचायत जन-प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, स्वास्थ्यकर्मियों, स्कूली बच्चों तथा किशोर किशोरियों आदि के साथ चेतना निर्माण कार्यक्रम संचालित किये गए. जिला स्तर पर प्रशासन, शासन तथा चिकित्साकर्मियों के साथ अलग से पैरवी करते हुए इस विषय पर संवाद स्थापित किया गया. विशेष बात यह रही कि इस कार्यक्रम को बिना किसी बाहरी वित्तीय सहायता के संचालित किया गया. उल्लेखनीय है कि राजसमन्द जिले का शिशु लिंगानुपात (2011) 891 है, जो राज्य में सबसे कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों में से एक है.

सृष्टिदायिनी सम्मान: इस वर्ष 93 दम्पत्तियों सृष्टिदायिनी सम्मान प्रदान किया गया. अब तक 700 से अधिक दम्पत्तियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है. वे दंपत्ति, जो एक अथवा दो बेटियों के माता-पिता है और अब संतान नहीं चाहते, उन्हें यह सम्मान दिया जाता है. इस प्रमाण पत्र में जिला कलक्टर एवं जतन निदेशक हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र होता है.
गोद भराई रस्म: आशाओं तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा चिन्हित गर्भवती महिलाओं को वर्ष में दो बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमंत्रित करके उनके साथ यह सामाजिक रस्म निभाई जाती है.इस दौरान गर्भवती महिलाओं को यह अहसास करवाया जाता है कि उनका गर्भस्थ शिशु, चाहे बालक हो या बालिका, उस पर पहला हक उसका है.

सामूहिक एजेंडा में स्थान: जतन द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रत्येक सार्वजनिक बैठक अथवा कार्यशाला में बेटियों की बातें विषय के लिए समय निर्धारित किया गया है. इस वर्ष इस विषय पर चर्चा करने सहित बेटियों के सम्मानित जीवन को पुनर्स्थापित करने से सम्बंधित मसलों पर सार्थक चर्चा आयोजित की गई.

सुरक्षित माहवारी अभियान

उगेर (*मेवाड़ी भाषा में इसका मतलब है, एक नयी शुरुआत*) माहवारी के मुद्दे पर चुप्पी को तोड़ने और इस मुद्दे पर लोगों में जागरूकता लाने के लिए चलाया जा रहा महिला सशक्तिकरण अभियान है. इसके तहत नियमित माहवारी प्रबंधन और माहवारी स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर अध्ययन और चेतना निर्माण जैसी गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है.

अब तक अलग अलग कार्यक्रमों के साथ जुड़ते हुए 12000 से अधिक किशोर-किशोरियों, युवाओं, महिलाओं और साथी संस्थाओं के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को इस विषय पर जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियों से जोड़ा गया.

किशोरावस्था में होने वाले बदलाव, माहवारी के बारे में खुलकर बात करना, इससे जुडी गलत धारणाओं को जानना और उसे दूर करना, माहवारी प्रबंधन के उचित उपाय और स्वास्थ्य, पर्यावरण अनुकूल और जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहारों पर विचार कर समझ विकसित करने सम्बन्धी कार्य किये गए.

गत वर्ष की ही तरह कच्ची बस्ती की एवं ग्रामीण महिलाओं के साथ उनके समूह बनाकर उन्हें प्रशिक्षण तथा सहयोग देकर; सूती, पर्यावरण अनुकूल और पुनः इस्तेमाल किये जा सकने वाले सेनेटरी पेड उगेर के निर्माण का प्रशिक्षण देना रहा. स्वास्थ्य पर्यावरण अनुकूल और माहवारी प्रबंधन के बेहतर सतत विकल्प के लिए बनाये जा रहे इस पेड को जतन द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि बाज़ार में मिलने वाले डिस्पोजल सेनेटरी पेड से होने वाले आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य सम्बन्धी हानियों के प्रति समुदाय को जागृत किया जा सके.

UGER

"मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक "सस्टेनेबल" उत्पाद का प्रयोग करती हूँ. उगेर न केवल मेरे लिए, बल्कि प्रकृति के लिए भी एक बेहतर उत्पाद है, जो किसी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचाता."

- गरिमा उपाध्याय
(बोधगया, बिहार)

माहवारी और पुरुष

"सुरक्षित माहवारी अभियान" में जतन द्वारा पुरुषों को जोड़ने को खासी सराहना मिली. जतन की सोच है कि "प्रशिक्षक" को केवल प्रशिक्षक की ही नज़र से देखना चाहिए, उसके लिंग की नज़र से नहीं. जतन ने अभी तक एक दर्जन से अधिक पुरुष मास्टर ट्रेनर तैयार किये हैं, जो देश के अलग अलग हिस्सों में प्रशिक्षणों को संचालित करते हैं.

यद्यपि आरम्भ में आमंत्रण करने वाली जेंसियाँ इस बात के कतई तैयार नहीं होती थी कि महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को प्रशिक्षण देने कोई पुरुष ट्रेनर आये, किन्तु धीरे धीरे सभी ने इस की महता को समझा. जतन ने "प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार" सत्रों को भी सभी के लिए डिजाइन किया है.

ट्रेनर रणवीर और ओम मानते हैं कि वे महिलाओं और किशोरियों के साथ जितनी सहजता से अपनी बात रख पाते है, उतने से आराम से पुरुषों, किशूरों और अध्यापकों को ट्रेनिंग देते हैं.

देश के अलग अलग क्षेत्रों में समान विषय पर बन रहे संगठनों तथा सोश्यल मीडिया समूहों में उगेर को एक अलग और विशेष पहचान मिली है. ऑनलाइन फोरम "Sustainable Menstruation in India" से जुड़ने के पश्चात इस वर्ष जतन अन्य कई समूहों का हिस्सा बना. इस वर्ष प्रमुख उपलब्धि के तौर पर अलग अलग राज्यों में जतन द्वारा इस विषय पर महिलाओं और किशोरियों का प्रशिक्षण करना रहा.

लगातार तीसरे साल इस वर्ष भी विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस (28 मई) जागरूकता अभियान के साथ मनाया गया. इस अवसर पर ग्रामीण और कच्ची बस्ती की महिलाओं के साथ संगोष्ठी आयोजित की गयी.

उगेर उत्पादों ने इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में भी अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करवाई और भारत के बाहर यूरोप, कनाडा, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में ख़रीदा गया.

इस वर्ष कुल 3000 से अधिक पेड का विक्रय समूह द्वारा किया गया तथा करीब 5000 से अधिक महिलाओं तक पहुँच बनाई.

उगेर ऑनलाइन

उगेर पैड्स की देश में बढती डिमांड को देखते हुए इसे कई वेबसाईट पर भी बिक्री के लिए जारी किया गया है, जहाँ से इन्हें ख़रीदा जा सकता है. ये वेबसाइट हैं: craftsvilla.com, ebay.in, ebay.com, etsy.com, iamgreen.in, storeenvy.com. इसके अतिरिक्त उगेर पैड्स जतन की वेबसाईट पर भी आर्डर किये जा सकते हैं.

1 NO POVERTY
4 QUALITY EDUCATION
6 CLEAN WATER AND SANITATION
15 LIFE ON LAND
17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS

अन्य प्रमुख

जीवा
जॉइंट इनिशेटीव फॉर विलेज एडवांसमेंट

रेलमगरा की सकरावास पंचायत आज पूरे जिले में आदर्श पंचायत के तौर पर उभर कर आई है, जहाँ सामुदायिक सहयोग से कृषि, डेयरी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित हुए हैं. सकरावास में उगी नकदी फसलें आज न केवल राजसमन्द बल्कि उदयपुर के रास्ते अन्य राज्यों में निर्यात की जा रही है. पिक्सेरा ग्लोबल, जॉन डियर फाउंडेशन और जतन संस्थान के संयुक्त प्रयासों से सकरावास में आज शैक्षिक और आर्थिक परिदृश्य का नया स्वरुप सामने आया है.

कृषि एवं आय सुरक्षा: मार्च 2017 तक जीवा परियोजना के तहत 200 किसानों के साथ कार्य को विस्तार दिया गया. मृदा जांच के बाद जैविक खाद तथा जैविक कीटनाशक को बढ़ावा दिया गया. अन्य राज्यों तथा कृषि संस्थाओं में किसानों को शैक्षणिक भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) द्वारा परंपरागत खेती के साथ साथ नकदी फसलों और मसलों की खेती की और भी मोड़ा गया, जिसके फलस्वरूप अनार, पपीता, एप्पल बेर, जमीकंद आदि की रिकॉर्ड खेती की गयी. डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दुधारू पशुओं की देखभाल और समय समय पर जांच सहित प्रजनन पर भी फोकस किया गया.

अंतिम तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार किसानों ने इस वर्ष इस वर्ष कपास की खेती को बढ़ावा देने के साथ साथ तुलसी के पौधे लगवाने के लिए डेमोस्ट्रेशन किया गया. 35.59 बीघा खेतों पर ड्रिप आधारित सिंचाई (drip irrigation) का विस्तार हुआ. अन्य क्षेत्रों से आये कृषकों ने यहाँ आकर ड्रिप सिंचाई, अनार की खेती और प्राकृतिक कीटनाशक बनाने का तरीका भी समझा. बदल बदल कर फसलें लगाने (क्रॉप डायवरसीफिकेशन) और औषधीय महत्त्व के पौधे लगाने पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया.

डेमो प्लाट: 27 डेमो प्लाट तैयार करके इस से अन्य कृषकों को भी आधुनिक क्रिशिऔर कृषि में विविध आयामों पर प्रशिक्षण दिया गया.

सोलर ट्रेप: मुख्यतः अनार की खेती करने वाले किसानों को सोलर ट्रेप का प्रशिक्षण देकर अनार पर फूल आने से पूर्व इसके उपयोग से कीड़ों से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाव पर प्रशिक्षण दिया गया. इस का उपयोग भी काफी बड़ी संख्या में हुआ.

किचन न्यूट्रीशन गार्डन : इस वर्ष 105 घरों में सब्जियों की क्यारी तैयार करवाई गयी. इसमें पैदा सब्जियों को घरों में अधिक से अधिक उपयोग पर मुख्य फोकस रहा.

वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन और उपयोग इस वर्ष और अधिक बढाया गया. 112 पिट तैयार किये गए, जिनमे 83 सफल रहे. इस से तैयार वर्मी कम्पोस्ट खाद को न केवल स्थानीय खेतों में उपयोग किया गया, अपितु इसके बेचान से कृषकों को आय भी हुई.

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन: इस वर्ष कुल 03 पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये, जिनमे कुल 2000 से अधिक दुधारू पशुओं की स्वास्थ्य जांच की गयी.

तकनीकी सन्दर्भ केंद्र: इस वर्ष भी किसानों ने कृषक सहायता केंद्र और तकनीकी संदर्भ केंद्र की सहायता से उन्नत कृषि के गुर सीखे तथा सहायक उपकरणों को किराये पर लिया गया.

किसान दिवस का आयोजन: 24 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर तीनों चयनित गांवों; सकरावास, मोर्रा एवं मदारा में कार्यक्रम आयोजित किये गए. इस दौरान तकरीबन 771 किसानों ने सहभागिता निभाई.

शिक्षा सन्दर्भ केंद्र : वर्तमान में तीनों गांवों में कुल 04 शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों का संचालन जारी है, जिनमें स्कूली शिक्षा से वंचित बच्चे और किशोर-किशोरियां नामांकित है. इस वर्ष शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों में नामांकन अपेक्षाकृत घटा क्योंकि बड़े स्तर पर बच्चों ने पुनः स्कूलों में प्रवेश लिया. इस वर्ष अनुमानित नामांकन 417 रहा, जिनमे लड़कियों का प्रतिशत 51.1% था. केन्द्रों पर बच्चों क अनुमानित उपस्थिति 82.9% रही. केन्द्रों पर जतन की तरफ से मासिक जीवन कौशल शिक्षा सत्र भी आयोजित किये गए.

स्कूल प्रबंधन समिति: इस वर्ष सभी 03 विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों के साथ क्षमता वर्धन कार्यशालाएं आयोजित की गयी. इसमें सभी 65 सदस्यों ने सहभागिता निभाई. इस वर्ष हुए चुनावों में निर्वाचित पदाधिकारियों को सरपंच द्वारा शपथ दिलवाई गयी. "मेरे सपनों का विद्यालय" पर आयोजित संवाद में समिति सदस्यों ने अपने विचार रखे.
उल्लेखनीय है कि सकरावास पंचायत में नियमित आयोजित होने वाली मासिक SMC बैठकों का ही प्रभाव है कि बच्चों के शैक्षिक स्तर में काफी सुधार देखा जा रहा है.

छात्र संसद: छात्र संसद के विधिवत चुनावों के बाद आयोजित बैठकों में औसत उपस्थिति 14.1 रही. संसद द्वारा पारित अनुशंषाओं के आधार पर ही सकरावास और मदारा में पुस्तकालयों का विस्तार किया गया तथा भोजन हॉल का निर्माण तीनों गांवों में करवाया गया.

अभिभावकों तक पहुँच: शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों पर इस वर्ष कुल 24 अभिभावक बैठकों का आयोजन किया गया. 368 अभिभावकों ने बैठकों में हिस्सा लिया.

बाल दिवस एवं विज्ञान मेलों का आयोजन: वृहद् स्तर पर आयोजित बाल मेले में 1288 बच्चों ने सहभागिता निभाई. इस दौरान रोचक ज्ञानवर्धक खेलों, सामान्य ज्ञान के साथ साथ गणित और विज्ञान से जुडी 39 स्टाल सजाई गयी. मेले में अभिभावकों सहित शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों (ERC) के शिक्षकों ने सभी व्यवस्थाएं संभाली. मेले में क्विज़, आशुभाषण, कविता, गीत आदि प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को सम्मानित किया गया. विज्ञान मेले में विज्ञान आधारित मॉडल सजाकर बच्चों ने पूरी पंचायत का ध्यान अपनी ओर खींचा.

परफोर्मेंस लेवल टेस्टिंग: अकादमिक स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वर्ष में कुल 04 बार शिक्षा सन्दर्भ केन्द्रों के सभी बच्चों का शैक्षणिक स्तर जांचा गया. तिमाही स्तर पर आयोजित हुए इस अध्ययन में बच्चों ने अपना बेहतर दिया. बच्चों के स्त्र के आधार पर ही उन्हें अलग अलग वर्गों में विभाजित करके अगली तिमाही में उन पर मेहनत की गयी. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के बच्चों के साथ जनवरी 2016 में प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करके सहयोग प्रदान किया गया.

छात्रवृति योजना: स्तर अनुसार बेहतर प्रदर्शन करने वाले बाचों को लगातार दूसरे वर्ष मासिक छात्रवृति प्रोत्साहन स्वरुप दी गयी. आखिरी तिमाही में कुल 51 छात्रों (33 लड़कियों सहित) को छात्रवृति प्रदान की गयी.

VHSNC प्रशिक्षण: ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति के नव- मनोनीत सदस्यों के लिए इस वर्ष कुल चार प्रशिक्षण आयोजित किये गए.

जल संचय पर कार्य: जीवा परियोजना के तहत वर्षा-जल संग्रहण पर भी समुदाय को लगातार प्रशिक्षण दिए गए. घरों तथा खेतों सहित सामुदायिक भवनों पर इस जल से भू-गर्भीय जल के स्तर को बढाने तथा आम उपयोग के लिए जल के उपयोग पर ध्यान केन्द्रित किया गया.

इंटर्नशिप एवं वालंटियरशिप

जतन इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है, जो युवाओं के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है. जतन में संचालित अलग अलग कार्यक्रमों से जुड़कर तथा विषय केन्द्रित शोध एवं सहयोग द्वारा स्वयंसेवकों तथा प्रशिक्षुओं को संस्थागत कार्य का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होता है. वर्ष 2016-17 में जतन संस्थान में देश-विदेश के विभिन्न संस्थानों से आये इन्टर्न्स ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर काम करते हुए अपनी समझ बनाई और अनुभव के साथ जतन परिवार का हिस्सा भी बने.

यह वर्ष जतन में सर्वाधिक इंटर्न और वालंटियर के अनुभवों का साक्षी बना. यह संख्या तकरीबन 106 रही. इंटर्न और वालंटियर ने अपने काम को भी विस्तार दिया. बच्चों के पोषण, ग्राम विकास, किशोर- किशोरियों और युवाओं, महिलाओं आदि के साथ जीवन कौशल और स्वास्थ्य के विषयों पर इनकी सहभगिता सराहनीय रही.

साथी संस्था प्रवाह के सहयोग से इस वर्ष दो प्रमुख इंटर्नशिप कार्यक्रम संचालित किये गए. स्माइल-इन और ICS (International Citizen Service) के तहत इस वर्ष 80 से अधिक इंटर्न जतन कार्यक्षेत्र में आये और उन्होंने मुख्यतः युवाओं और ग्राम विकास पर अपने लघु-परियोजनाओं पर सफल क्रियान्विति की. इन वालंटियर साथियों ने सकरावास और अन्य गांवों में स्वच्छता पर भी विशेष कार्य किया.

SPJIMR, मुंबई से आये 04 इंटर्न ने खमनोर में रहकर बच्चों के पोषण की स्थितियों पर समग्र अध्ययन किया. आईआईएम, उदयपुर के छात्रों ने रूरल इमर्शन कार्यक्रम के तहत रेलमगरा, सहाडा और राजसमन्द ब्लाक में रहते हुए अलग अलग विषयों पर अपनी समझ स्थापित की.

खड बामनिया (रेलमगरा) में बन रहे हुनरघर में भवन संनिर्माण में सहयोग के लिए डेवलपिंग वर्ल्ड कनेक्शन, कनाडा से आये स्वयंसेवकों ने लगातार एक हफ्ते तक कार्य किया. टीम ने न केवल पछमता गाँव में बच्चों के लिए आधुनिक कंप्यूटर लैब तैयार की बल्कि अपरान्ह में रेलमगरा में चल रहे अलग अलग कायक्रमों से जुड़कर अपन अनुभव शेयर किया. साथ ही एक अन्य कार्यक्रम के तहत ड्यूक यूनिवर्सिटी, अमेरिका के छात्रों के साथ जुड़ते हुए आईआईएम, उदयपुर के छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल शोधन, स्वच्छता आदि पर भी कार्य किया.

इसी के साथ उड़ान, अपना जतन केंद्र के बच्चों के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी इंटर्न छात्रों का अपेक्षित सहयोग मिला. महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध अभियान, कृषि विकास आदि में भी उल्लेखनीय सहयोग रहा.

लगातार पांचवे साल "फागुन"

राजसमन्द में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले सालाना महिलाओं के अपने मेले "फागुन" का आयोजन लगातार पांचवे साल पुरानी कलेक्ट्री प्रांगण में आयोजित किया गया. महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित इस मेले की अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ. अर्चना सिंह ने की.

मेले में महिलाओं के लिए कई रोचक खेलों का आयोजन किया गया. इस दौरान साफा बांधो, एक मिनट शो, मटकी दौड़, मटकी फोड़, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, अंधी दौड़, बोरी दौड़ आदि का आयोजन किया गया. महिलाओं ने इस दौरान कई चेतना गीत प्रस्तुत किये. स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने स्टाल भी सजाये और जमकर बिक्री की.

इस से पूर्व महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से जेंडर पर समझ बनाने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया. इस में शहर की अन्य संस्थाओं ने भी सहभागिता निभाई.

उम्मीदों का सफ़र

लगातार दूसरे साल द हंगर प्रोजेक्ट, जयपुर के सहयोग से सहाड़ा (भीलवाड़ा) में किशोरी मेला "उम्मीदों का सफ़र" मनाया गया. मेले में 10 पंचायतों की 650 से अधिक किशोरियों ने सहभागिता निभाई.

बाल विवाह और जल्दी गर्भाधान के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाली किशोरियों के सम्मान से आरम्भ हुए इस मेले में भविष्य में किशोरियों को विभिन्न अवसर उपलब्ध करवाना और सफल महिलाओं से उन्हें रूबरू करवाना था.

मेले में विभिन्न सामाजिक कुरीतियों पर आयोजित सांप-सीढ़ी खेल में किशोरियों ने भाग लिया और अलग अलग स्टाल पर जाकर जानकारियां प्राप्त की.

जतन वार्षिक रिट्रीट

जतन का सालाना कैंप "मंथन" इस बार ऋषभदेव में आयोजित हुआ. जतन के कार्यों और संस्कृति से परिचय, विकास सम्बन्धी विभिन्न मुद्दों पर अवधारणात्मक समझ और संवेदनशीलता स्थापित करने तथा अनुभवों एवं कार्यों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला में शानदार अनुभव रहे.

हर दिन की शुरुआत योग और प्राणायाम से हुई. पहले दिन शाम को जहाँ बीकानेर से आये गावनियार कला जत्थे ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बाँधा वहीँ अध्यक्ष लक्ष्मी मूर्ति ने जतन के मूल्यों और सदी के स्थायी डवलपमेंट गोल्स पर सभी के बीच चर्चा की. इसके बाद तनाव पर नियंत्रण, काम को सुचारू रूप से करने पर दो अलग अलग समूहों में अंकुर कछवाहा और अर्चना शक्तावत ने सत्र लिए. आशा जी और कैलाश जी ने सोशियो-ग्रामिंग तरीके से सभी का परस्पर परिचय करवाया.

"मेरे लिए यह कैंप जतन के मूल्यों को समझने और अलग अलग जगह काम कर रहे साथियों से मिलने का अनोखा मौका था.

जीवन में पहली बार "थियेटर" देखा और समझा. मेरे लिए ये तीन दिन जिंदगी के सबसे अनोखे दिन रहे.

- कैलाश कुमारी (रेलमगरा)

लक्ष्मी मूर्ति ने अपने अन्य सत्र में कबाड़ से जुगाड़ टेक्नोलोजी के सदुपयोग और उस से आ रहे सामाजिक परिवर्तन पर प्रकाश डाला. रियुजेबल (पुनः उपयोग) से डिस्पोजेबल होती जा रही ज़िन्दगी से प्रकृति और समाज पर पड रहे नकारत्मक प्रकाश पर लक्ष्मी जी ने समूह चर्चा की.

वर्तमान समय में संस्थाओं की कार्य संकृति पर चर्चा करने के लिए हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की वाइस प्रेसिडेंट (सीएसआर) नीलिमा खेतान ने सत्र लिया. श्रीमती खेतान ने अपने सत्र में बाज़ार-सरकार और समाज की परस्पर निर्भरता और संबंधों को समझाते हुए विकास की अवधारणा को स्पष्ट किया.

उदयपुर स्थित नाट्य संस्था नाट्यांश सोसायटी से एकल अभिनीत नाटक "अस्तित्व" के प्रदर्शन और रात्री सत्रों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समा बाँधा. खेरवाडा टीम के रॉक और फोक सम्मिश्रित नाटक ने रंग जमाया वहीँ गरबा और घूमर में सभी ने मिलकर समूह नृत्य किया.

तीसरे दिन प्रवाह दिल्ली से आई टीम ने युवाओं को अपने काम में कैसा जोड़ा जाए पर सत्र लिया. नगमा, तनया और नीरू ने छोटे छोटे समूहों में युवाओं और किशोर किशोरियों के मार्फ़त समाज विकास की अवधारणा पर चर्चा की.

प्रकाशन

माहवारी चक्र: जतन बोर्ड सदस्या लक्ष्मी मूर्ति द्वारा डिजाइन किये गए "माहवारी चक्र" से माहवारी को समझाने में काफी आसानी होती है. चित्र तथा सम्बंधित विवरण द्वारा चक्र माहवारी के सभी चरण समझाता है.

सीधी सच्ची बात: चित्रकथा सीधी सच्ची बात दो सहेलियों की कहानी है, जो प्रजनन स्वास्थ्य, माहवारी और उस से जुड़े उपायों एवं स्वच्छता पर चर्चा कर रही है. 44 पृष्ठीय इस पॉकेट नुमा पुस्तिका में माहवारी से जुडी तमाम जानकारियां उपलब्ध है.

भोजन तिरंगा: इस शीट में पोषक थाली में आवश्यक भोजन पदार्थों को तिरंगे के अनुसार समझाया गया है.

बच्चों की सामान्य बीमारियाँ: "चौपड़" शैली में निर्मित शिक्षण सहयोग सामग्री में बच्चों को होने वाली सामान्य बीमारियों के लक्षण, प्रकार, उपचार और बचाव के तरीके बड़े रोचक तरीके से चित्रात्मक तरीके से बताये गए हैं.

जैसे जैसे हम बढ़ते हैं: राजस्थान की प्रसिद्द "कावड़" शैली में बना यह फोल्डर किशोरावस्था में बदलाव एवं शारीरिक विकास को समझने में काफी सहायक है. फोल्डर के कवर पेज पर बने आदिवासी भित्ति चित्र लुभाते हैं.

उगेर पोटली: सूती कपडे से बने माहवारी पैड तथा पेंटी लाइनर की पोटली माहवारी प्रबंधन के दौरान कपडे के उचित उपयोग एवं रखरखाव को समझाने में सहायक है. पोटली में चित्र के माध्यम से पैड धोने और सुखाने का चित्रात्मक विवरण है.

जतन @ youtube

इस वर्ष जतन सन्दर्भ एवं प्रकाशन द्वारा वीडियो दस्तावेजीकरण के कार्य को और अधिक गति देते हुए युवाओं से जुड़े मुद्दों पर कुछ वृतचित्र एवं शोर्ट फिल्म्स का निर्माण कर उन्हें सोश्यल साईट यू ट्यूब पर प्रसारित किया गया. इन फिल्मों को ऑनलाइन दर्शकों का अच्छा रेस्पोंस मिल रहा है. यू ट्यूब पर <Jatan Movies> सर्च करके इन्हें देखा जा सकता है.

पत्रिकाएँ

रमत घमत

जतन की मासिक पत्रिका रमत घमत विशेष तौर पर आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के क्षमतावर्धन और उनके कार्यों को पहचान दिलाने की कोशिश है. चार पृष्ठीय बहुरंगी यह पत्रिका हर महीने कार्यकर्ताओं को शाला पूर्व शिक्षा, पोषण-स्वास्थ्य और नए नवाचारों पर विविध नवीन सामग्री उपलब्ध करवाती है, साथ ही नवाचारों के लिए प्रेरित करती है. "आंगनवाडी ऑफ़ द मंथ" जैसे कॉलम कार्यकर्ताओं के प्रयासों ओ पहचान दिलाते हैं.

चहक

बहुरंगी आठ पृष्ठीय त्रेमासिक पत्रिका, जो पूरी तरह से किशोरियों से जुड़े विषयों पर आधारित है. UNFPA के सहयोग से प्रकाशित इस पत्रिका को मुख्यतः खेरवाड़ा में संचालित "*हिलोर*" कार्यक्रम के अनुसार डिजाइन किया गया है.

विषय विशेषज्ञ/ कार्यशालाएं

इस वर्ष जतन द्वारा विविध साथी संस्थाओं में प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, जीवन कौशल के विविध पक्षों, जेंडर असमानीकरण, पंचायतीराज त्रि-स्तरीय व्यवस्था, मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण से जुडी आवश्यक सुविधाएं, युवाओं की चुनौतियाँ, महिलाओं के प्रति हिंसा, घटते शिशु लिंगानुपात आदि विषयों पर अन्य संस्थाओं में विषय आधारित सत्र लिए गए. प्लान इंडिया, स्पार्क मिंडा फाउंडेशन, सेवा मंदिर, आइआइएम- उदयपुर, उमड़ते सौ करोड़, महिला एवं स्वास्थ्य विभाग, डाईट-राजसमन्द एवं उदयपुर, प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय, नेहरु युवा संगठन- जयपुर आदि को जतन द्वारा इस वर्ष विषय आधारित संदर्भ प्रदान किया गया.

Appendix

Volunteers and Interns

ICS	Michael, Vedan , Spurthi, Anukriti, Sunil, Digvijay, Loganathan, Rhiannon, Elena, Samuel, Medeleine, Lindsey, Chloe, Shanice, Anjani, Ronny, Jyoti, Lauren, Arathi Kurup, Anais Richmond, Arkja Kuthiala, Alanah-May, Edward Le May, Isobel Billington, Imran Khan, Amritha Thomas, Kali, Thomas, Rupal Hariyaow, Devarsh Dhar, Sonu Kumar, Jack Lindsay, Sruthi, Rachel White, Chris, Sunita Damor, Isobel Billington, Alex, Amitesh, Holly, Kate, Kirsty, Kritika, Rachel White, Max, Mubarak, Sonam, Ellie, Khuluud, Divya, Sarah, Althaf, Sitaram, Jyoti, Lucy, Henry, Neha, Pooja Singh, Aaron, Simon, Dileep, Vishnu, Ayesha, Kunal, Suzanne, Charlotte, Laurie, Hannah, Lucy, Alex, Harry, Hudaif, Nishikanta, Shailaja, Arkja, Boshra, Tapasya, Paige, Reena, Tanushree, Deepesh, Andy, Celia, Hannah, Kelcey, Arathi, Jacqualine, Neeta, Kaiser, Prasanna, Sumit, Scarlet, Imogen, Nathan, Joseph, Karen Kelly
Smile-in-turnship, Pravah- Delhi	Ragini Shrivastava, Niteesh Kumar Mishra, Sagufta Anjum, Akash Rakshak, Radha Dagar, Ezono Yanthan, Shivani Yadav, Sanjana Choudhary, Saumya Bharti, Prithvi Raj Singh Rajawat, Avi Gupta, Kanchan, Radhika, Rashmi, Varsha
Foundation of Sustainable Development	Laila Hamzai, Kiana Martinez, Maria Elena Perez Villa, Leondra Downs, Jacob Saloman, Emily Davidson
S P Jain Institute of Management and Research, Mumbai	Nishant Raina, Din Dayal Lihla, Ashok Kumar Singh, Anand Mohan Sinha
IDC, IIT Bombay, Powai, Mumbai	Manish Khatri
VIT University, Vellore	Shimona Bordia
NMIMS, Mumbai	Monil Jain
Rajiv Gandhi National University of Law, Patiala	Shubhangi, Priyam Jinger
Piramal	Priyanka Ramesh Dalvi, Maitreyi Suhas Choudhari, Sidhi Baweja, Karamveer Singh, Safwan Zaheer, Sonu Kumari Singh, Upasana Negi, Preetam Singh, Kuldip Akara
Operation Groundswell, Canada	Aisha, Amy, April, Christphe, Debra, Jaden, Jasmin, Kayla, Lindsey, Marie, Miriam, Rebecca, Sarah, Saranki, Teevin
IIM, Udaipur	Abhijeet Deshmukh, Bhole Gunjan, Debostuti Das, K Chandra Sekhar, Soni Minit, Ashwin Bhandare, Chiranjeev Hazarika, Pednekar Sagar Sharad, Sonakshi Chopra, Udit Agarwal, Bhopale Akshay, N Uday Kiran, Reema Khurana, Noufal C P, Swapnil Verma, Amit Kumar Bhagat, Ankit Jaiswal, Hemant Chandak, Shahida Khan, Siddarth Bhargava, A.V.Satish, Amit Hanspal, Gaurav Sharma, Joohi Sinha, Mukesh Kumar Regar, Georgia Stahl, Supriya Chand, Manish Singh
IRMA, Guajarat	Ashima Minocha, Rachna Wasnik, Saumya Gupta, Chirag Bhensdadia, Dhaval Bhatesara, Hasmukh Thakkar
Azim Premji University	Keerthi Gowkanapalli, Shivani Rawat
IIT Delhi	Sarwar Hussain, Sakshi Babel

Staff Salaries and breakup

Slab of gross monthly salary plus benefits paid to staff (as on 31-03-2017)	Total staff
< 6000	16
6001-15000	113
15001-25000	11
25001-35000	07
35001- 50,000	04
50,000 >	04
Total	**155**

Staff Details

Gender	Paid full time
Female	59
Male	96
Total	**155**

Governing council

Lakshmi Murthy
Chair Person; Designer and Social Communicator
Vikalp Design, Udaipur

Dr. Kailash Brijwasi
Member Secretary and Executive Director
Jatan Sansthan, Rajsamand

Shrilal Garg
Ex District Education Officer (Rtd.),
Railmagra, Rajsamand

Goverdhan Singh Chouhan
Treasurer; Deputy Director,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Ashwini Paliwal
Secretary,
Astha Sansthan, Udaipur

Govind Singh Gehlot
Faculty,
Vidhyabhawan, Udaipur

Mahesh Dadheech
Advocate,
Gangapur, Bhilwara

Rajesh Sharma
Program Officer,
NICE Foundation, Jodhpur

Sarita Jain
Expert on Women Empowerment,
Rajsamand

Ranveer Singh Shaktawat
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Railmagra, Rajsamand

Sanjay Chittora
Coordinator,
Aajeevika Bureau, Udaipur

Shakuntala Vaishnav
Expert on Reproductive Health
Railmagra, Rajsamand

Dr. Gayatri Tiwari
Human Development & Family Studies,
Udaipur

Mukesh Kumar Sinha
Social Worker
Railmagra, Rajsamand

Dashrath Singh Dalawa
Educationist
Udaipur

Prakash Bhandari
Educationist
Udaipur

Advisory committee

Dr. Vallari Ramakrishnan
Gynaecologist,
Udaipur

Ankur Kachhwaha
Program Manager, Jatan Sansthan,
Udaipur

Vardhini Purohit
Ex-Sarpanch, Oda, Railmagra
Rajsamand

Vd. Smita Vajpai
Sr. Program Officer,
Chetna, Ahmedabad

Bhanwarlal Vaghrecha
President- Tulsi Sadhna Shikhar,
Rajsamand

Pushpa Karnawat
Social Worker,
Rajsamand

Hemu Rothore
Asst. Professor, College of Home Sc.,
Udaipur

Smriti Kedia
Consultant,
Udaipur

Ranveer Singh
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Udaipur

Chhatrapal Singh
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Udaipur

Sanjay Chittora
Program Coordinator,
Aajeevika Bureau, Udaipur

Sumitra Menaria
Field Supervisor,
Jatan Sansthan, Railmagra

Dr. Shashi Jain
Dean, College of Home Science,
Udaipur

Dr. Kailash Brijwasi
Director, Jatan Sansthan,
Udaipur

Lakshmi Murthy
Chair Person,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Goverdhan Singh
Deputy Director,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Pro. Asha Singhal
Rtd. Professor, College of Home Science,
Udaipur

Dr. Sarla Lakhawat
Asst. Professor
Ajmer

Mohd. Yusuf Khan
Civil Engineer
Udaipur

Avnish Nagar
Asst. Professor,
Udaipur School of Social Work, Udaipur

Manoj Dashora
Accountant,
Udaipur

Manju Khatik
Field Supervisor,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Kanhaiyalal Jingar
Coordinator,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Gangaram
Office Assistant,
Jatan Sansthan, Railmagra

Date of Governing Body Meeting

(2016-2017)

Feb 25, 2017, Saturday

EXECUTIVE COMMITTEE MEETINGS

Date of Executive Committee Meetings

(2016-2017)

June 04, 2016

Sept 03, 2016

Nov 07, 2016

Dec 30, 2016

Feb 25, 2017

President:
Lakshmi Murthy

Treasurer:
Goverdhan Singh Chouhan

Executive Director and Member Secretary:
Dr. Kailash Brijwasi

Executive Members:
Rajesh Sharma
Ranveer Singh
Mukesh Sinha
Ashwini Paliwal
Shakuntala Vaishnav
Sarita Jain
Prakash Bhandari
Govind Singh

Chetna
Ahmedabad

Childline 1098
Ministry of Women and child development, Govt. of India

Childfund India
Delhi

Development Alternatives
Delhi

Developing World Connections
Canada

Educate for life
UK

Foundation of Sustainable Development
USA

Gebeco Reison
Germany

Indo Asia Holiday
Gurgaon, NCR

India Infoline Finance Ltd.
Mumbai

Jandaksha Trust
Udaipur

Operational Groundswell
Canada

Plan India
Jaipur

Pravah
New Delhi

Pyxera Global
USA

Seva Mandir
Udaipur

Soft Choice
Canada

Sparkminda Foundation
Delhi

The Hunger Project
Jaipur

UNFPA
Delhi, Jaipur

Hindustan Zinc Limited
Udaipur

Women and Child Development Department
Govt. of Rajasthan, Jaipur/Udaipur

S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

448, MOKSHA MARG, SHASTRI CIRCLE,
UDAIPUR RAJASTHAN 313001
Ph. 9414157232

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2017 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2017

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2017

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

S.D. Baya & Co. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167
Registration No: 007833C

Place :UDAIPUR
Date : 30/08/2017

Balance Sheet

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET
AS AT MARCH 31ST, 2017

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
CAPITAL FUND:		130,14,689.56	**FIXED ASSETS**	Schedule- 1	104,05,320.00
- Opening Balance	60,45,300.88				
- Add: I&E Accounts	54,41,075.68		**Taxes / TDS:**		56,026.00
- Add: Capital assets purchased	15,28,313.00		- TDS (FY 2013-2014)	30,276.00	
			- TDS (FY 2015-2016)	25,750.00	
Provisions	Schedule- 3	1,50,000.00	Security deposit	Schedule- 7	1,76,320.00
Current Liabilities	Schedule- 5	66,88,410.68	Loan and Advance	Schedule- 4	17,84,989.00
Unspent Balance of Grant	Schedule- 2	96,79,582.47	Grant Receivable	Schedule- 2	66,10,029.10
			CASH BALANCE	Schedule- 6	
			1 Cash in hand		97,900.33
			2 Cash at bank		104,02,098.28
	TOTAL	295,32,682.71		TOTAL	295,32,682.71
					0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 70367

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 30th August 2017

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2017

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
FCRA ACCOUNTS:				
PROGRAMME EXPENSES:		**Grant in aid: Gebeco Reisen, Germany**		
1 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) intends to cater to the development needs of children with focus on	7,35,068.00	- Add: Grant in aid during year	5,41,850.36	
		- Less: Opening overspent balance	6,593.78	
			5,35,256.58	
		- Less: Capital assets purchased	1,850.00	
		- Add: Closing overspent balance	2,01,661.42	7,35,068.00
2 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	16,82,491.00	**Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Add: Grant during the year	17,92,842.00	
		- Less: Opening overspent balance	90,232.00	
			17,02,610.00	
		- Less: Closing unspent balance	16,209.00	
		- Less: Capital assets purchased	3,910.00	16,82,491.00
3 Effective Communication towards Ensuring Social Accountability for Maternal Health-	2,59,696.00	**Grant in aid: CHETNA, Ahmedabad**		
		- Add: Grant during the year	2,57,973.00	
		- Less: Opening overspent balance	40,335.00	
			2,17,638.00	
		- Add: Closing overspent balance	42,058.00	2,59,696.00
4 Joint Initiative for Village Advancement Project (Field Level Activities)	96,58,688.25	**Grant in aid: Pyxera Global, USA**		
		- Add: Opening unspent balance	7,36,995.96	
		- Add: Grant during the year	98,63,162.11	
		- Add: Bank interest	47,788.00	
			106,47,946.07	
		- Less: Closing unspent balance	9,89,257.82	96,58,688.25
5 Joint initiative for Village Advancement Project (Education Support Programme for 6 girls and Finance & Admin work)	37,43,909.67	**Grant in aid: Pyxera Global, USA**		
		- Add: Opening unspent balance	1,12,583.56	
		- Add: Grant during the year	24,05,124.43	
			25,17,707.99	
		- Add: Closing overspent balance	12,26,201.68	37,43,909.67
6 Child Development Project	45,61,441.90	**Grant in aid: Child Fund India, Bangalore**		
		- Add: Grant during the year	68,01,927.16	
		- Less: Closing unspent balance	19,50,464.26	
		- Less: Capital assets purchased	2,90,021.00	45,61,441.90
7 Construction of e-lab, community toilets (Enhancement of Integrated Technical Information System Among the Community)	20,69,166.26	**Grant in aid: Developing World Connection**		
		- Add: Opening unspent balance	661.11	
		- Add: Grant during the year	20,91,080.15	
			20,91,741.26	
		- Less: Capital assets purchased	22,575.00	20,69,166.26
8 Forum for Creches and Child Care Services- Centre for Women's Development Studies	20,000.00	**Grant in aid: Seva Mandir, Udaipur**		
		- Add: Opening unspent balance	20,000.00	20,000.00
9 Volunteering programme on gender and social issues.	3,00,509.00	**Grant in aid: Operational Groundswell, Canada**		
		- Add: Opening unspent balance	1,18,309.00	
		- Add: Grant during the year	1,82,200.00	
			3,00,509.00	3,00,509.00
10 Foster Care Programme	3,31,396.00	**Grant in aid: Friends of Foster Care**		
		- Add: Grant during the year	3,31,396.00	3,31,396.00

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
11 Indian Citizen Services_ Volunteering Programme	16,54,100.00	**Grant in aid: Pravah, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	16,59,200.00	
		- Less: Capital assets purchased	5,100.00	16,54,100.00
12 Internship Programme	91,000.00	**Grant in aid: Jan Dekshe Trust, Udaipur**		
		- Add: Grant during the year	91,000.00	91,000.00
13 Bank interest & Bank charges & Audit fees	94,849.00	Bank interest		94,849.00
LOCAL FUND ACCOUNTS:				
PROGRAMME EXPENSES:				
1 Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS services. "KHUSHI Project"	213,11,121.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant in aid during the year	186,79,488.00	
		- Received bank interest	2,09,238.00	
			188,88,726.00	
		- Add: Closing overspent balance	24,22,395.00	213,11,121.00
2 Child Care KHUSHI Centre (3 Centres of Rajsamand)	2,81,257.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	3,04,290.00	
		- Less: Closing unspent balance	23,033.00	2,81,257.00
3 Child Care KHUSHI Centre (8 Centres of Udaipur)	12,97,690.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	13,76,637.00	
		- Less: Closing unspent balance	78,947.00	12,97,690.00
4 Child Care KHUSHI Centre (3 Centres of Chittorgarh)	4,38,158.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	4,96,946.00	
		- Less: Closing unspent balance	58,788.00	4,38,158.00
5 Look At Us Programme	3,62,690.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	2,92,000.00	
		- Add: Closing overspent balance	70,690.00	3,62,690.00
6 Nand Ghar Project (Brown field)	24,535.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	38,99,500.00	
		- Less: Closing unspent balance	38,74,965.00	24,535.00
7 Aayurvedic Mela	7,71,354.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Dariba**		
		- Grant during the year	0.00	
		- Add: Closing overspent balance	7,71,354.00	7,71,354.00
8 Child Line Project- Child Helpline 1098	12,01,511.00	**Grant in aid: Child Line India Foundation**		
		- Grant during the year	0.00	
		- Add: Closing overspent balance	12,01,511.00	12,01,511.00
9 Other organizational expenses	30,328.25	**Other receipts:**		25,447.00
		- Reimbursement from Child Line India	7,326.00	
		- Other donation from HZL staff	16,500.00	
		- Bank interest	1,621.00	
10 Re-vitalizing & Re-energizing Teen Clubs Being Facilitated by NYKS in Udaipur and Jhalawar District of Rajasthan and Action for Adolescent	206,17,442.00	**Grant in aid: UNFPA, Jaipur**		
		- Opening unspent balance	3,45,019.00	
		- Add: Grant in aid during the year	213,95,336.00	
			217,40,355.00	
		- Less: Closing unspent balance	11,22,913.00	206,17,442.00
11 Tara Akshar + Project: An education programme for Children and Women	5,83,160.00	**Grant in aid: Society for Development Alternatives**		
		- Grant during the year	5,87,641.00	
		- Less: Opening overspent balance	4,481.00	5,83,160.00
12 Sakhiyon Ki Badi- Education Project	2,77,717.00	**Grant in aid: IIFL Foundation, Mumbai**		
		- Grant during the year	15,00,000.00	
		- Less: Closing unspent balance	12,22,283.00	2,77,717.00

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
13 Internship and volunteer programme	1,91,539.00	**Grant in aid: Miscellaneous funding**		
		- Grant during the year	1,91,539.00	1,91,539.00
14 Kshmtalaya- Education Project	3,45,000.00	**Grant in aid: Educate for Life**		
		- Grant during the year	3,45,000.00	3,45,000.00
15 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	14,16,644.70	**Receipt by sale of Uger products & other donations**		
		- Opening unspent balance	2,55,542.70	
		- Receipt during the year	15,03,824.39	
			17,59,367.09	
		- Less: Closing unspent balance	3,42,722.39	14,16,644.70
16 Organizational expenses and short term programmes	14,56,816.84	Organizational other receipts		67,39,015.77
		Bank interest		1,23,758.00
Excess of income over expenditure	54,41,075.68			
	813,00,384.55		TOTAL	813,00,384.55
				0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No.

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 30th August 2017

Scanned by CamScanner

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31-03-2017

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
OPENING BALANCE		PROGRAM RELATED PAYMENT:	
1 Cash in hand	18,542.33	1 Running of NFE and Balwadi Centre (Dewali & Raimagra;	7,35,068.00
2 Cash at bank Schedule-6	21,80,023.76	Udaipur) intends to cater to the development needs of children	
		with focus on health	
GRANT IN AID RECEIVED:		2 Strengthening the leadership of Women Representative in	24,82,491.00
1 Gabico Reisen, Germany	5,41,850.46	Local Village Councils- Gram Panchayat so as to address	
2 The Hunger Project, New Delhi	17,92,842.00	violence against women through the governance framework	
3 CHETNA, Ahmadabad	2,57,975.00	3 Effective Communication towards Ensuring Social	2,50,696.00
4 Pyxera Global, USA	98,03,161.11	Accountability for Maternal Health- COPPA [illegible] and	
5 Pyxera Global, USA	24,05,324.45	4 Joint Initiative for Village Advancement Project (Field Level	38,38,808.29
6 Child Fund India, Bangalore	88,01,927.18	Activities)	
7 Developing World Connections Society, Canada	20,91,080.15	5 Joint Initiative for Village Advancement Project (Education	37,43,929.67
8 Operational Groundswell, Canada	1,42,200.00	Support Programme for 8 girls and Finance & Admin work)	
9 Friends of Foster Care India	3,31,380.00	6 Child Development Project	45,61,441.90
10 Pravah, New Delhi	16,59,200.00	7 Construction of e-lab, community toilets (Enhancement of	20,09,188.39
11 Jandeksha Trust, Udaipur	41,000.00	Integrated Technical Information System Among the	
12 Hindustan Zinc Limited Udaipur	250,48,861.80	Community)	
13 Other donation from HO, staff	34,508.00	8 Forum for Creches and Child Care Services- Centre for Women's	20,000.00
14 Reimbursement from Child Line India	7,326.00	Development Studies	
15 UNFPA, Jaipur	213,86,336.00	9 Volunteering programme on gender and social issues	3,30,505.00
16 Society for Development Alternatives, New Delhi	5,87,441.00	10 Foster Care Programme	3,21,366.00
17 IFLC, Mumbai	15,00,000.00	11 Indian Citizen Services_ Volunteering Programme	18,34,100.00
18 Misc. funding	16,95,263.00	12 Internship Programme	91,000.00
19 Educate for Life	3,45,000.00	13 Bank interest & bank charges & Audit fees	94,848.00
20 Other donation and receipts	62,82,487.27	14 Initiative to improve nutrition status and enhance the	233,11,101.00
21 Bank interest	4,57,254.00	enrolment of children through strengthening the ICDS services	
		"KHUSHI Project"	
OTHER RECEIPTS DURING THE YEAR:		15 Child Care KHUSHI Centre (3 Centres of Rajsamand)	2,81,237.00
1 Abida Khan	3,417.00	16 Child Care KHUSHI Centre (3 Centres of Udaipur)	12,97,690.00
2 Ankur Kachhwaha	21,013.00	17 Child Care KHUSHI Centre (3 Centres of Chittorgarh)	4,38,138.00
3 Arjun Singh Rathore	2,000.00	18 Learn At Us Programme	3,62,600.00
4 Bhanwar Lal Dangi	7,000.00	19 Nand Ghar Project (Brown Field)	24,105.00
5 Chanchal Devi Bohra	27,551.80	20 Ayurvedic Mela	7,71,354.00
6 Charu Bhatt	1,212.80	21 Child Line Project- Child Helpline 1098	12,51,511.00
7 Chhavi Sharma	12,424.00	22 Other organizational expenses	91,328.25
8 Dean, Home Science College	10,800.00	23 Re-vitalizing & Re-energizing Teen Clubs Being Facilitated by	206,17,442.00
9 DPC Payable	37,442.32	WNG in Udaipur and Jhalawar District of Rajasthan and Action	
10 Dr. Kailash Brijwasi	14,102.00	for Adolescent Girls Project	
11 Expenditure reversed	70,087.00	24 Tara Akshar + Project: An education programme for Children	5,01,180.00
12 Gajendra Salvi	2,750.00	and Women	
13 Goverdhan Singh Chouhan	814.00	25 Sakhiyon Ki Badi- Education Project	2,71,717.00
14 Himanshu Singh Chundawat	8,500.00	26 Internship and volunteer programme	1,31,539.00
15 ICICI Bank Ltd. (Safari- Car loan)	13,12,685.00	27 Kishoridaya- Education Project	3,45,000.00
16 ICS Host Family	3,10,013.00	28 Ujjer Programme (Safe Menstruation Campaign)	14,18,844.70
17 Jatan staff SHG Loan	11,215.00	29 Organisational expenses and short term programmes	13,08,749.84
18 KVA staff	1,81,185.00		
19 Krishna Baldev Singh Rao	6,409.00	OTHER PAYMENT DURING THE YEAR:	
20 Latika Vaishnav	9,182.00	1 Apurv Mehta	20,000.00
21 M/s Bhoma Caters & Bartan Bhandar	3,91,384.00	2 Bhura Lal Sharma	4,200.00
22 M/s Card Corner	40,500.00	3 Chhatrapal Singh Chundawat	33,201.00
23 M/s Gajendra General Store	42,750.00	4 Chirag Menariya	1,136.00
24 M/s K.K. Arts (Kishan Lal Tanwar)	40,450.00	5 Other Fixed asset purchased	5,23,406.00
25 M/s Khajuriya Shyam Motors	33,200.00	6 ICICI Bank Car loan	2,17,398.00
26 M/s Maa Shreya Devi Tent & Caters	3,13,810.00	7 Jatan staff advance	54,841.00
27 M/s Maa Shreya Devi Tent & Caters	27,800.00	8 Jeep Safari	14,25,370.00
28 M/s Mangla Enterprises	48,114.00	9 Kalpana Meena	1,442.00
29 M/s Roshni Tent House	3,250.00	10 Kalu Singh Rajput	200.00
30 M/s RK Bhavan Hotel	3,344.00	11 Kanti Lal Meena	4,877.00
31 M/s Sanjari Offset [illegible]	21,544.00	12 Lalita Parmar	4,337.00

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
32 M/s Shiv Shringar Palace	36,300.00	13 Lokesh Paliwal	312.00
33 M/s Tic Tack Toe	70,320.00	14 M/s Anuvrat Vishva Bharti	4,100.00
34 M/s Udaipur Sahkari Upbhokta Bhandar	86,750.00	15 M/s Badal Resorts Gogunda	8.00
35 M/s Vardhaman Stationers	36,520.00	16 M/s Jai Construction (Civil Contractor)	2,46,873.00
36 M/s Vijay Travel Agency	28,500.00	17 M/s S.S. Construction (Civil Contractor)	1,50,000.00
37 M/s Vyas Computers (Pankaj Vyas)	2,332.00	18 M/s Sagar.X Marketing	2,951.00
38 Madhu Lal Gadri Contractor	5,72,161.00	19 M/s Shankar Lal Kumawat (Civil Contractor)	2,80,000.00
39 Mamta Singh Chouhan (MT)	17,200.00	20 Manju Rajput	8,289.00
40 Pawan Kumar Bansal	60,836.00	21 Mukesh Salvi	5,755.00
41 Pinki Khatik	3,406.00	22 Om Prakash Dayri	2,629.00
42 Prakash Chandra Kothari	5,80,000.00	23 Pradeep Kumar Pradhan	16,917.00
43 Priya Menariya	20,000.00	24 Prakash Sargara	5,520.00
44 Provision for translation work	30,000.00	25 Preeti Sharma	235.00
45 Rakhi Sharma	2,419.00	26 Provisions	49,266.00
46 Ranveer Singh Shaktawat	17,486.00	27 Pushkar Lal Nayak	2,500.00
47 S.D. Baya & Co. Udaipur	63,896.00	28 Pushpendra Singh	4,985.00
48 Shashi Prabha	10,520.00	29 Rajkumar Meena	500.00
49 Staff Security Deposit	5,15,497.00	30 Ram Lal Meena	6,750.00
50 Staff SHG contribution	1,31,558.00	31 Rama Shankar Seronda	4,521.00
51 Taweshi Manohar	7,500.00	32 Reena Kumari	4,017.00
52 TDS	9,236.00	33 Rekha Joshi	5,225.00
53 Ujjer Customers	3,530.00	34 Rekha Meena	715.00
		35 Sanju Seth Landrani	11,715.00
		36 Santosh Kumawat	3,200.00
		37 Shri Sakal Digambar Jain Samaj	4,400.00
		38 Staff welfare	20,37,428.00
		39 Sunitra Meena	1,909.00
		40 Suresh Sharma	1,152.00
		41 TDS Deducted by grantee	3,94,528.00
		42 Vaishali Patel	6,390.00
		43 Vishal Sahi	400.00
		44 Yashwant Meena	4,017.00
		CLOSING BALANCE	
		1 Cash in hand	97,888.33
		2 Cash at bank Schedule-6	106,03,098.28
TOTAL	908,30,679.28	TOTAL	908,30,679.28
			0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts. Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. [illegible]

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 30th August 2017

दोहरा बर्ताव, तो कैसे हो समाजोत्थान

जतन संस्थान की जिला संदर्भ कार्यशाला में सदस्यों ने उठाई आवाज

राजसमंद में जतन संस्थान जिला संदर्भ बैठक में उपस्थित सदस्य। पत्रिका

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

राजसमंद. महिला उत्पीड़न, बाल श्रम, अशिक्षा, रोजगार, समग्र विकास के मुद्दों पर सरकार से लेकर आमजन का भी दोहरा बर्ताव है। इसी वजह से गांव-ढाणी से लेकर शहर तक का समग्र उत्थान नहीं हो पा रहा। शहर में अक्सर शिक्षित वर्ग माना जाता है, मगर वहां भी रूढ़ीवादिता, संकीर्ण विचाराधारा से महिलाएं, बच्चियां घुट-घुट कर जी रही है। इसके लिए सरकार तो जिम्मेदार है ही, मगर कई हद तक अपना ही समाज और समाज वह हर व्यक्ति भी जिम्मेदार है, जो ऐसी परिस्थिति, हालात देखकर भी आवाज नहीं उठाता या शिकायत नहीं करता। जब कोई बोलेगा ही नहीं, तो कैसे शासन-प्रशासन पर दबाव बनेगा। राजनेताओं को तो सिर्फ वोट बैंकिंग की फिक्र रहती है, मगर जनता भी मूकदर्शक बनकर रह गई है, तभी समाज में कई विकृतियां बढ़ है, जो सबके लिए चिंताजनक है। अब इस पर सिर्फ चर्चा ही नहीं, बल्कि समाज के समग्र उत्थान के लिए जो भी चुनौतियां उन्हें सूचीबद्ध कर एक एक का समाधान करते हुए जनजागृति लाने के प्रयास करने होंगे, तभी सार्थक परिणाम आ पाएंगे।

कुछ यही लबोलुआब गुरुवार को जतन संस्थान की जिला संदर्भ कार्यशाला में उभरकर सामने आया। 2009 में 1000 पर 900 बच्चे थे, जबकि अब एक हजार बालक पर 780 बालिकाएं ही है। बच्चों के गिरते लिंगानुपात पर चिंता जताई। नरेंद्रसिंह कच्छवाह ने कहा कि आज भी हम यानि समाज द्वंद्वता में जी रहा है। सरकार एक कहती है शराब जीवन के लिए हानिकारक है और दूसरी सरकार अधिकाधिक शराब बेचने का टारगेट दे रही है। कच्छवाह बोले नाली-सड़क से लेकर विकास कार्य के बजट में से 52 फीसदी तो सिर्फ अफसर-नेताओं के कमीशन में ही खप जाते हैं। यह कड़वा सच है सरकारी तंत्र का। भ्रष्टाचार के हालात व सामाजिक विकृतियों से वाकिफ होकर भी कोई व्यक्ति विरोध नहीं करता। फिर कैसे उसका समाधान हो। विनीता पालीवाल ने कहा कि हर शख्स को समोत्थान के लिए कुछ व्यक्तिगत तौर पर प्रयास जरूर करने चाहिए। चाहे समझाइश के हो अथवा जनसंपर्क या टोकने का कार्य। विनीता ने चिंता जताई कि सरकार, स्वयंसेवी संगठन स्तर पर बालक-बालिका के लिंगानुपात के समानता के खूब प्रयास हो रहे हैं। फिर भी परिणाम कुछ नहीं। आखिर परिणाम क्यों नहीं आए, क्या प्रयास में कहीं कमी रही। इस पर चिंतन व समीक्षा करने की जरूरत है, तभी सफल परिणाम आएंगे। कुंवारिया थाना प्रभारी राकेश जोशी बोले कि पुलिस थानों में आए दिन सामाजिक विकृतियों के मुकदमे आते हैं। एक बार तत्काल पुलिस राहत दे देती है, मगर नियमित परामर्श व शारीरिक-मानसिक सम्बल व प्रेरित करने के लिए समाज को आगे आने की जरूरत है। इस दौरान गोवर्धनसिंह चौहान, कैलाश ब्रजवासी, ओमप्रकाश, जेके डांगी, डा. संजय गौड़, मंजू खटीक, मरूधरसिंह देवड़ा, ईश्वरनारायण भट्ट आदि थे।

नशे से उबारने के प्रयास क्यों नहीं

बैठक में भगवत शर्मा बोले कि शराबबंदी के साथ नशे से युवा पीढ़ी को उबारने के लिए प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। कच्छावाह बोले सरकार ने शराबबंदी के नियम ही टेढे बना रखे हैं। अन्य सदस्यों भी बोले कि शराब ही नहीं, बल्कि हर तरह का नशा छुड़ाने के प्रयास करने होंगे। इस पर यह तय किया कि भविष्य जल्द ही जतन संस्थान नशामुक्त जिला बनाने की ठोस कार्ययोजना बनाएगी।

विद्यालय को कुर्सियां भेंट

राजसमंद. राउमावि धोइंदा में भामाशाह मिटठालाल कच्छारा की ओरसे करीब 15 कुर्सियां भेंट की गई। इस पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कच्छारा का आभार प्रकट किया।

समाज व पुलिस-प्रशासन बेपरवाह, लोगों को नहीं विश्वास

निगरानी और सख्ती के अभाव में हो रहे बाल विवाह

टाबरां रो ब्याव

जतन संस्थान व राजस्थान पत्रिका की मंथन कार्यशाला में उभरकर सामने आए हालात

पांच बेटियों का बाल विवाह रुकवाया

परिवार को छोड़ दर-दर भटकते बुजुर्ग को फिर मिलाया परिवार से

अपनों का सहारा मिला तो खिल उठा भटके वृद्ध का चेहरा

पत्रिका एहसास

करौली निवासी गणेशराम मीणा। जिसे उसके परिजनों से मिलाया।

रेलमगरा में मिली अर्द्धविक्षिप्त महिला, जो लावारिस है।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

रेलमगरा. बुजुर्ग होने पर परिवारजनों की उपेक्षा के शिकार एक वृद्ध ने परेशान होकर घर छोड़ दिया। अपनों की अनदेखी के शिकार होकर दर-दर भटकते वृद्ध को जब बेगानों से अपनों से भी बढ़कर प्यार मिला और उनकी मदद की मंशा देखी तो आखिर उसके परिजनों का दिल भी पसीज ही गया। इसके चलते अंततः असहाय होकर भटकते वृद्ध हो आखिर उसके परिवार का सहारा मिल ही गया।

इस तरह का मामला क्षेत्र में सामने आया, जिसमें जतन संस्थान के चाइल्ड लाइन दल के सदस्य संजय राव एवं गंगाराम प्रजापत ने गत बुधवार देर शाम को कांकरोली से रेलमगरा मार्ग पर चौकड़ी गांव के निकट सड़क किनारे एक वृद्ध को ठंड में ठिठुरते देखा। इस पर उन्होंने वृद्ध से नाम व पता पूछा, लेकिन ठंड एवं भूख से तड़प रहा वृद्ध कुछ नहीं बोल पाया। इस पर दोनों उसे बाइक पर अपने साथ रेलमगरा थाने ले पहुंचे और पुलिस को उसके बारे में बताया। थाने में वृद्ध को पहले खाना खिलाया गया, जिसके बाद सामुदायिक चिकित्सालय ले जाकर उसका उपचार कराया गया। इसके बाद गुरुवार सुबह वृद्ध ने अपने बारे में पुलिस एवं जतन संस्थान के सदस्यों को पूरी जानकारी दी। वृद्ध ने बताया कि उसकी कोई संतान नहीं है और कुछ समय पूर्व उसकी पत्नी की भी मौत हो गई। इसके बाद उसके बड़े भाई का परिवार ही बचा, जिनके साथ वह रहता था। लेकिन कुछ माह पूर्व वह घर छोड़ आया और भीख मांग कर अपना गुजर-बसर करने लगा। इस पर वृद्ध द्वारा बताए गए पते के आधार पर करौली में पुलिस को फोन लगाकर मामले की जानकारी दी।

इस पर करौली पुलिस ने क्षेत्र के महोली पंचायत अन्तर्गत वजीतपुर के निवासी इस वृद्ध का नाम गणेशराम पुत्र मोतीराम मीणा होने की पुष्टी की। साथ ही वृद्ध की स्थिति के बारे में उसके बड़े भाई को बताया गया। इसके बाद वृद्ध का बड़ा भाई नंदराम मीणा शुक्रवार को रेलमगरा पहुंचा और वृद्ध को अपने साथ ले गया। इस दौरान जतन संस्थान कार्यकर्ताओं व पुलिस के समक्ष उसने भाई को हमेशा साथ रखने की शपथ भी ली।

अर्ध विक्षिप्त महिला मिली

बिछड़े वृद्ध को परिजनों तक पहुंचाने के बाद रेलमगरा में एक अर्ध विक्षिप्त महिला भी मिली, जिसे जतन संस्थान द्वारा सहारा दिया गया व थाने में रिपोर्ट दी गई है। यह महिला मराठी भाषा बोल रही है। संस्थान की ओर से इसका भी उपचार करवाकर परिजनों तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे।

जतन संस्थान के प्रयास में बेटियां दिखीं मजबूत

खेलों से बेटियों के चेहरों पर मुस्कान

पत्रिका सोशल प्राइड

किशोरी मेले में खेरवाड़ा की एक हजार बच्चियों ने लिया भाग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

उदयपुर. जतन संस्थान की ओर से गांधी मैदान में आयोजित किशोरी मेले में बुधवार को खेरवाड़ा क्षेत्र की एक हजार किशोरियों ने भाग लिया। उनके लिए वॉलीबॉल, रस्साकसी, शॉटपुट जैसी कई रोचक प्रतियोगिताएं कराई गईं। खेलते समय किशोरियां काफी खुश नजर आईं।

मेले में दर्जनों ऐसी बालिकाएं थीं, जिन्होंने कभी स्कूल नहीं देखा। कई ऐसी भी थी जिनकी तीसरी या पांचवी के बाद पढ़ाई छूट गई। उन्होंने बताया कि यदि वे पढ़-लिख जाती तो नर्स या अध्यापिका बनती। प्रश्नोत्तरी, अंत्याक्षरी, एकल, समूह नृत्य, गरबा आदि प्रतियोगिताओं में किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बरस-बरस म्हारा इंद्र राजा गीत पर नृत्य किया। साफा बांध कर महिलाओं को भी पुरुष के समान होने का संदेश दिया। अंकुर, गोवर्धन सिंह, राजेश शर्मा, ओमप्रकाश आदि ने किशोरियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

महिला हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने का संकल्प

किशोरियों ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के खिलाफ हस्ताक्षर किए। इसको बंद करने के लिए आवाज बुलंद की। उन्होंने पढ़-लिख कर डॉक्टर, पुलिस, पत्रकार बनने के विचार एक दूसरे से साझा किए। इस अवसर पर सभी किशोरियों ने महिला हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प भी किया।

आसमां छूने का ख्वाब देख रही बेटियों

कल तक घर की चारदीवारी में दुनिया को समेटने वाली बेटियां पढ़ाई से जुड़ते ही डॉक्टर, मैनेजर, सिंगर बनने के ख्वाब आंखों में संजो लिए हैं। मेले का उद्देश्य लड़कियों को ऐसा मंच देना था, जहां वे बेहिचक अपनी सोच, सपने, विचार सबके सामने रख सके। विपरीत परिस्थितियों से लड़कर राह बना सके।

अभिलाषा ने भरी वाशिंगटन की उड़ान

पांच भाई बहनों में सबसे छोटी अभिलाषा को बचपन से पढ़ाई का शौक रहा। लेकिन हालात के चलते 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। फिर संस्थान की कॉर्डिनेटर दीपिका मिली, जिन्होंने सहेली बनने का सुझाव दिया। शुरुआत में घर पर सबने विरोध किया, लेकिन बाद में मेरे सपने को पूरा करने में सबने सहयोग दिया। मैं पीयर एज्युकेटर बनी और अमरीका के वाशिंगटन में हुए गर्ल्स अप लीडरशिप कार्यक्रम में गई। वहां बाल-विवाह आदि मुद्दों पर बात की। मैं डॉक्टर बनना चाहती हूं।

जशिवना बनना चाहती है गायक

जशिवना गरासिया गायक बनना चाहती है। उसके मम्मी-पापा मजदूरी करते हैं। इसलिए जब सपने की बात रखी तो मना कर दिया। बाद में संस्थान से जुड़ी। आज कलस्टर कॉर्डिनेटर हूं। पापा बहुत खुश हैं। कहीं जाने से मना नहीं करते। कोशिश कर रही हूं कि जिस तरह से मैं आगे बढ़ी और मुझे नौकरी मिली, उसी तरह गांव की बाकी लड़कियों को आगे बढ़ने में मदद करूं।

मातृत्व

गर्भवतियों की कराती गोद भराई, बेटी हो तो बधावा लेकर जाती

▪ रेलमगरा के लापस्या की 33 वर्षीय सरपंच सपना शर्मा कहती हैं कि दो बेटियों की मां हूं। बेटा पैदा नहीं करने के लिए खूब ताने सुने। सरपंच तो इसलिए चुनी गई थीं की महिला सीट थीं। एक केस ऐसा हुआ की मुझे अंदर से हिला दिया। बगतपुरा गांव में एक महिला की छठी डिलीवरी के दौरान खून की कमी से मौत हो गई। पति के बेटे की चाहत ने उस महिला की जान ले ली। इस घटना के बाद सोच लिया, अब मैं किसी भी महिला को इस तरह की मौत नहीं मरने दूंगी। जतन संस्थान के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगवाए, प्रौढ़ कक्षाएं चलाईं। महिलाओं को समझाया बेटी होना अभिशाप नहीं सौभाग्य है। फिर एक परंपरा शुरू की। गांव की गर्भवतियों की खुद गोद भराई करतीं। बेटी होने पर बधावा लेकर जाती हैं। इससे महिलाओं का आत्म विश्वास बढ़ा।

किशोरी मेले में गांवों की बालिकाओं ने दिखाई प्रतिभा

उदयपुर. जतन संस्थान की ओर से गांधी ग्राउंड में लगे किशोरी मेले धम-धमाधम के आखिरी दिन बुधवार को विभिन्न खेल स्पर्धाएं हुईं। ग्रामीण क्षेत्र से आईं बालिकाओं ने मंच में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पखवाड़े में किशोरियों ने बैनर पर हस्ताक्षर करके घरेलू हिंसा और महिलाओं पर होने वाले अत्याचार का विरोध किया। इस दौरान किशोरियों ने पुलिस और सेना में भर्ती, पत्रकार, डॉक्टर, गायिका बनने आदि जैसे विचार बैनर पर लिखे। इस मेले का उद्देश्य ग्रामीण किशोरियों को सामूहिक मंच उपलब्ध कराना था। मेले में राजसमंद, खेरवाड़ा की 1200 से अधिक किशोरियों ने भाग लिया।

खेल में भी दिखाया हुनर
जिसमें रस्सा कसी, 1600 मीटर दौड़, तीन टांग दौड़, खो-खो, वालीबाल, फुटबाल, शॉट पुट, सितौलिया आदि हुए। विजेता टीमों को निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने सम्मानित किया। इससे पहले एकल नृत्य, समूह नृत्य, समूह गायन, देशभक्ति गायन, लोक नृत्य आदि भी हुए।

वर्षा के बीच लगी घोषणाओं की झड़ी

'यशोदा मां बन बच्चों में बांटें खुशी'

खुशी परियोजना व खिलौना बैंक का उद्घाटन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

आंगनवाड़ी केन्द्रों की होगी मरम्मत

पत्रिका ने उठाया था यह मामला

होगी पानी की व्यवस्था

होगा सर्वांगीण विकास

हुई परेशानी

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पुस्तक का विमोचन

हिम्मत

वार्ड पंच बादामी बाई ने बाल विवाह के खिलाफ उठाई आवाज

▪ आमली गांव की 60 वर्षीय (निरक्षर) बादामी बाई गांव की किरण बेदी के नाम से जानी जाती हैं। बादामी वार्ड पंच है, लेकिन इनसे अधिकारी भी खौफ खाते हैं। बादामी बाई बताती हैं कि गांव में बाल विवाह होने वाला था। पुलिस को शिकायत की। मैं मंडप में बैठ गई। कहा पहले मेरी लाश उठाना, फिर ही विवाह होगा। आज तक गांव में बाल विवाह नहीं हुआ। स्कूलों में जाती हैं, वहां का मिड डे मील चखती हैं। अच्छा नहीं होने पर अधिकारियों को शिकायत भिजवाती हैं।

किशोरियों ने भरी हौसलों की उड़ान

धम-धमाधम मेले में जमकर लिया आनंद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

उदयपुर. ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी किशोरियां शहर में पहुंची और यहां इनके लिए लगे मेले में हिस्सा लिया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आदिवासी क्षेत्र की इन किशोरियों ने विभिन्न मनोरंजक खेलकूद में हिस्सा लेने के साथ ही कई जानकारियां भी हासिल की।

जतन संस्थान की ओर से गांधी ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय किशोरी धम-धमाधम मेले में किशोरियों ने अलग-अलग स्टॉल पर जाकर व्यंजन का स्वाद चखा और मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। शाम को खुला मंच कार्यक्रम में समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में सफल महिलाओं से सीधे संवाद स्थापित कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत गृह विज्ञान महाविद्यालय डीन डॉ. शशि जैन ने की। इस अवसर पर जतन अध्यक्ष लक्ष्मी मूर्ति, निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी आदि मौजूद रहे। इस दौरान महिला बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि कौशिक भी मौजूद रहीं।

मुश्किलों से भरी राह: उदयपुर के भंडारी दर्शक मंडप में मंगलवार को किशोरी मेले में बोतलों की कतारों के मध्य संभल कर चलने की स्पर्धा, जो उनके जीवन की सचाई को भी प्रतिबिम्बित करती है। पत्रिका

चेहरे जले हैं, आपके हौसले नहीं

खुला मंच में शीरोज ने एसिड आक्रमण झेल चुकी किशोरियों से संवाद करते हुए उनके साथ हुई घटनाओं को जाना। शीरोज ने किशोरियों से कहा कि वे कभी अपने हौसले को कम नहीं होने दें। महिला पुलिस पेट्रोलिंग टीम की सदस्यों ने पुलिस में आने और समाज की बुराइयों से कैसे निपटा जाए, इस पर बातचीत की। महिला थाना प्रभारी चेतना भाटी ने अपने जीवन की यात्रा को बताते हुए किशोरियों से कहा कि वे केवल शिक्षक या नर्स का क्षेत्र ही नहीं चुनें अपितु समाज के हर उस काम करने को आगे बढ़े, जिसे समाज पुरुषों की बपौती समझता है।

महिला हिंसा के खिलाफ ललकार

10 दिसंबर तक चलने वाले महिला हिंसा के विरुद्ध अभियान पखवाड़े के अंतर्गत शाम के सत्र में सभी किशोरियों ने हाथ में मोमबत्ती लेकर गांधी ग्राउंड का एक चक्कर लगाया और यह संदेश प्रेषित किया कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा को उसके विरुद्ध आवाज उठाकर ही रोका जा सकता है। इस कार्यक्रम में महिला पुलिस पेट्रोलिंग टीम सदस्यों ने किशोरियों की अगुवाई की। मेले में रस्साकस्सी, साफा बांधो प्रतियोगिता, तीन टांग दौड़, दस मिनट हो आदि प्रमुख रहे। स्टॉल्स पर किशोरियों को आजीविका, प्रशिक्षण आदि के बारे में जानकारी दी गई।

अतिकुपोषित मासूम पहुंची अस्पताल...

उम्र 15 माह, वजन 3.2 किग्रा, हिमोग्लोबिन 2.3

पत्रिका एहसास

समझाइश के बाद माने परिजन, आरके में कराया गया भर्ती

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जन्म के समय होता है 3 केजी वजन

हिमोग्लोबिन बहुत कम है...

डॉ. ललित पुरोहित, शिशु रोग विशेषज्ञ, आरके अस्पताल, राजसमंद

विदेशी छात्रों का नवाचार...

ब्रिटेन से यहां आकर बना दी चाइल्ड फ्रेण्डली आंगनबाड़ी

रेलमगरा के पछमता केन्द्र का मामला

नए स्वरूप के बाद बच्चों का भी बढ़ा रुझान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

ऐसे बदल डाली सूरत और सीरत

गांव को बदलने की दिखाई राह

बेहतर शुरुआत से बदलेंगे और भी केन्द्र

जतन संस्थान ने किया 118 महिलाओं का सम्मान

जतन संस्थान ने ऋषभदेव में उत्कृष्ट कार्य के लिए 118 महिलाओं का सम्मान किया। इस मौके पर महिलाओं ने बेटियों को शिक्षित करने का संकल्प भी लिया।

Jatan Sansthan
05- Tirupati Vihar, Opp. Celebration Mall, Bhuwana, **Udaipur**-313
Subhash Nagar, 100 feet Road , **Rajsamand**-313326
Police station road, **Railmagra** (Dist. Rajsamand)- 313329
Sirohi road, near Petrol pump, Gogunda (Dist. Udaipur)
Bus stand road, Gangapur, Sahada (Dist: Bhilwara)
Kapilvastu Colony, Patan road, **Jhalawar**- 326001
52, Arihant Mahaveer Colony, **Kherwara**, Udaipur- 313803

web: www.jatansansthan.org
email: info@jatansansthan.org
facebook: /JatanUdaipur
twitter: @JatanUdaipur